

मोपाल

30 सितंबर 2026

बुधवार

आज का मौसम

 32.6 अधिकतम

 19.8 न्यूनतम

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो



स्वच्छ मध्यप्रदेश के सच्चे नायकों को धन्यवाद!



स्वच्छता ही सेवा 2026
17 सितम्बर - 17 अक्टूबर 2026
स्वच्छता में सहभाग
स्वच्छ भारत, विकसित भारत

स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) मध्यप्रदेश | संचालनालय, नगरीय प्रशासन एवं विकास, मध्यप्रदेश

नगरीय निकायों में सफाईमित्रों के लिए आज विशेष आयोजन

▶ सम्मान समारोह

▶ पीपीई किट व सुरक्षा उपकरण वितरण

▶ स्वास्थ्य जांच शिविर

▶ सांस्कृतिक कार्यक्रम

▶ खेल एवं अन्य प्रतियोगिताएं



स्वच्छता में उनके योगदान के लिए आभार प्रदर्शन

D-11126/26

न्यूज विडिो

शाह की रैली से पहले धमकी: स्टेज के नीचे आईईडी है, स्कूल-मंदिर उड़ा देंगे

जालंधर/अमृतसर। जालंधर में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की रैली से पहले कई स्कूलों को एक धमकी भरा ईमेल भेजे जाने का मामला सामने आया है। ईमेल में रैली स्थल, बसों और श्री देवी तालाब मंदिर समेत अलग-अलग स्थानों पर आईईडी/बम धमाके करने जैसी धमकियां दी गई हैं। वहीं अमृतसर के स्कूलों को भी उड़ाने की धमकी आई है। संदेश में बच्चों को स्कूल भेजने और रैली में जाने को लेकर भी चेतावनी दी गई है। ई-मेल में लिखा है कि रैली के स्टेज के नीचे आईईडी रखा है। स्कूल-मंदिर और कोर्ट को उड़ा देंगे।

तेल अवीव जा रही फ्लाइट में आपस में भिड़े पायलट, सऊदी में लैंडिंग



रियाद। दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की फ्लाइट से अचानक हाइजैक का अलर्ट मिला। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक विमान ने पहले इमरजेंसी का 7700 कोड भेजा और फिर 7500 कोड भेजा, जिसका मतलब हाइजैक होता है। अलर्ट मिलते ही इजराइल ने विमान की ओर फाइटर जेट भेज दिए। इसके बाद फ्लाइट ने अपना रास्ता बदलकर सऊदी अरब के तबुक एयरपोर्ट पर लैंडिंग की। विमान में करीब 180 यात्री सवार थे, जिनमें 150 से ज्यादा इजराइली नागरिक थे। बाद में इजराइली सूत्रों ने बताया कि विमान हाइजैक नहीं हुआ था बल्कि पायलटों के बीच कहासुनी हो गई थी।

दिल्ली एयरपोर्ट पर 10 चीनी ड्रोन जब्त, हांगकॉन्ग से लाए गए थे

नई दिल्ली। दिल्ली एयरपोर्ट पर कस्टम्स ने तीन भारतीय यात्रियों से 1.03 करोड़ रु. के 10 सैन्य ड्रोन जब्त किए हैं। तीनों 25 सितंबर को हांगकॉन्ग से वियतनाम होते हुए टर्मिनल-3 पहुंचे थे। खुफिया सूचना पर ग्रीन चैनल पार करते समय इन्हें रोका गया। सामान में चीनी कंपनी ऑटेल रोबोटिक्स के 10 एमडीएक्स-1 ड्रोन, 11 कंट्रोलर, 10 कैमरा गिंबल, 60 प्रोपेलर, 20 एंटीना, 40 जॉयस्टिक और आईफोन 18 प्रो मैक्स मिला। एक यात्री ने माना कि सामान दोस्त के लिए लाया और कस्टम में घोषित नहीं किया। भारत में विदेशी ड्रोन का आयात प्रतिबंधित है।

वडोदरा एक्सप्रेसवे पर बस टुक से भिड़ी, पांच की मौके पर मौत

अहमदाबाद। गुजरात के आनंद जिले में अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेसवे पर बुधवार तड़के एक भीषण सड़क हादसा हो गया। सूरत से राजस्थान जा रही एक लंगरी बस और ट्रक के बीच जोरदार टक्कर हो गई। इस दर्दनाक हादसे में 5 यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 5 अन्य यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब बस में सवार अधिकतर यात्री यहरी नींद में थे।

आज का कार्टून



1982 बैच के थे राकेश अग्रवाल... दो दिन पहले काम पर आया केयरटेकर लापता

भोपाल में रिटायर्ड IAS अफसर की गला रेतकर हत्या, घर में आग लगाने की कोशिश

भोपाल, दोपहर मेट्रो रिटायर्ड आईएएस अधिकारी राकेश अग्रवाल की यहां उनके सूरजनगर स्थित घर में हत्या कर दी गई। गले पर धारदार हथियार के निशान हैं। रातीबड पुलिस के मुताबिक, प्रारंभिक जांच में शक अग्रवाल के केयरटेकर वरुण कुमार पर है। वह वारदात के बाद से ही लापता है। उसका सामान भी अग्रवाल के घर में नहीं मिला है। उसे 28 सितंबर को ही पंजाब की एक एजेंसी के जरिए नौकरी पर रखा गया था। पुलिस को घर में आग लगाने की कोशिश के संकेत भी मिले हैं। किचन में एलपीजी सिलेंडर का पाइप निकला हुआ था जिससे पूरे घर में गैस भर गई थी।

राकेश अग्रवाल अपनी पत्नी के साथ सूरज नगर के मकान में रहते थे। राकेश अग्रवाल के कुक का परिवार साथ में ही रहता है। कुक ने बताया कि सुबह करीब 4:30 बजे मैडम ने उसकी पत्नी को फोन किया था और उसे बुलाया क्योंकि मेन गेट खुल नहीं रहा था। हम किसी तरह अंदर गए, तो गैस की बदबू आ रही थी। श्री अग्रवाल का शव जमीन पर पड़ा दिखा। सिलेंडर से रेगुलेटर निकला हुआ था और उसमें पिन लगाई हुई थी। ऐसा लग रहा था कि घर को आग लगाकर उड़ाने की कोशिश की गई थी। 70 वर्षीय श्री अग्रवाल 1982 बैच के अफसर थे। वे कई जिलों के कलेक्टर के साथ ही विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर रहे थे। लम्बे समय तक वे प्रशासन अकादमी के निदेशक भी रहे।

अभी पुलिस को हत्या के असली कारणों का पता नहीं चला है। घर की छानबीन की जा रही है। आशंका है कि कीमती सामान और नगदी के लिए वारदात को



रातीबड इलाके के सूरज नगर में पत्नी के साथ रहते थे

पंजाब का रहने वाला है नौकर

कुक ने बताया कि जिस नौकर को दो दिन पहले रखा था, उसकी उम्र 30 से 35 साल के बीच होगी। वह खुद को पंजाब का रहने वाला बता रहा था। पुलिस सूत्रों का कहना है कि उसे पंजाब की ही किसी एजेंसी के माध्यम से नौकरी पर रखा गया था। वह किसी अस्पताल से यहां नौकरी करने आया था। इससे पहले भी दो लोग आ चुके थे लेकिन दोनों कुछ ही दिनों में नौकरी छोड़ गए थे। फिलहाल पुलिस लापता नौकर के बारे में पता लगा रही है। मौके की फॉरेंसिक जांच कराई गई है।

अंजाम दिया गया हो। यह भी हो सकता है कि वारदात में एक से अधिक लोग शामिल हों। गैस सिलेंडर का पाइप निकालकर आग लगाने की कोशिश भी किसी

खतरनाक इरादे की ओर इशारा कर रही है। हो सकता है कि घर को आग लगाकर कुछ सबूत मिटाने की साजिश रची गई हो।

SIR हो चुके राज्यों में बदलाव वोटर रजिस्ट्रेशन के फार्म-6 से हटाया गया घोषणा पत्र

नई दिल्ली, एजेंसी एसआईआर के पहले और दूसरे फेज में 10 राज्य और 3 केंद्र शासित प्रदेश कवर हो चुके हैं। चुनाव आयोग ने स्पेशल इंटरसिव रिवीजन पूरा हो चुके राज्यों में ऑनलाइन फॉर्म 6 से अतिरिक्त घोषणा हटा दी है। यानी SIR पूरा होने के बाद फॉर्म 6 से जुड़ी अतिरिक्त जानकारी नहीं मांगी जाएगी। हालांकि जिन राज्यों में SIR जारी है, वहां फॉर्म 6 में यह घोषणा अब भी दिख रही है। यह बदलाव मंगलवार देर रात चुनाव आयोग के पोर्टल पर किया गया। चुनाव आयोग ने 26 सितंबर को इसका ऐलान किया था।

उल्लेखनीय है कि इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, दो चुनाव आयुक्तों विवेक जोशी और सुखबीर सिंह संधू ने इस पर आपत्ति जताई थी। फॉर्म 6 का इस्तेमाल वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने के लिए होता है।



इंडिया ब्लॉक की बैठक राहुल, ममता समेत 19 विपक्षी दल के नेता पहुंचे

नई दिल्ली। इंडिया ब्लॉक की बैठक के लिए विपक्षी दलों के नेता कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया पहुंचे हैं। दिल्ली में विपक्षी दलों के इंडिया ब्लॉक की बैठक शुरू हो गई है। इसमें स्पेशल इंटरसिव रिवीजन और चुनाव आयोग के भीतर सामने आए मतभेदों पर चर्चा हो रही है। बैठक में कांग्रेस के राहुल गांधी, तृणमूल कांग्रेस की ममता बनर्जी, आरजेडी के तेजस्वी यादव, जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला, लेफ्ट के नेता दीपाकर भट्टाचार्य और समाजवादी पार्टी के नेता कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया पहुंच चुके हैं। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव बैठक में शामिल नहीं हो रहे हैं। उनकी जगह पार्टी के अन्य नेता बैठक में पहुंचे हैं। इस बैठक में आम आदमी पार्टी और डीमके की ओर से कोई नेता शामिल नहीं हो रहा है।

तीरंदाजी में भारत का गोल्डन धमाका



चिकिता-साहिल ने कंपाउंड मिक्स्ड में लगाया सटीक निशाना

नगोया। भारत ने एशियन गेम्स में 10वां गोल्ड मेडल जीत लिया है। आज 4 स्वर्ण पदक आए। इनमें से 3 तीरंदाजों ने दिलाए। जबकि, एक शूटिंग में आया। 11वें दिन का चौथा स्वर्ण कंपाउंड आर्चरी के पुरुष टीम इवेंट में आया। साहिल, गणेश और कुशल की तिकड़ी ने चीन की टीम को एक अंक के

अंतर से हराया। दिन का पहला गोल्ड सुबह 7:45 बजे भारतीय महिला टीम ने तीरंदाजी के कंपाउंड इवेंट में आया। फिर चिकिता तनिपार्थी और साहिल राजेश जाधव की जोड़ी मिक्स्ड इवेंट में चैंपियन बनी। नौरु वांडा और किनान चेनाई ने शूटिंग के मिक्स्ड ट्रैप इवेंट में सोना जीता।

आज भारत-वेस्टइंडीज वनडे में दूसरा मुकाबला

गुवाहाटी। भारत और वेस्टइंडीज के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला आज खेला जाएगा। मैच दोपहर 2 बजे से गुवाहाटी में खेला जाएगा। ओपनर रोहित शर्मा 12 हजार वनडे रन से 73 रन दूर हैं।

मेट्रो एंकर आरोपी को अंकल कहती थी सात साल की बच्ची, उसे अदालत में आकर पहचाना

रेप पीड़ित को जज की चिट्ठी... बचपन नहीं लौटा सकते, साहस याद रखेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी अदालतों के फैसले आमतौर पर कानूनी भाषा में लिखे जाते हैं, लेकिन दिल्ली की एक ट्रायल कोर्ट की जज ने सात साल की उम्र में यौन हिंसा का शिकार हुई बच्ची के फैसले के अंत में उसे एक ऐसी चिट्ठी लिखी, जिसमें कानून के साथ संवेदना और हौसले का संदेश भी था। अब दिल्ली हाईकोर्ट ने इस पत्र को बच्ची और उसके परिवार तक पहुंचाने का आदेश दिया है। हाईकोर्ट ने इसे 'मैसेज ऑफ करेज' यानी साहस का संदेश बताया है।

मामला 23 जुलाई 2023 का है। उस समय बच्ची सात साल की थी। उसने आरोपी को 'अंकल' कहकर संबोधित किया था। सुनवाई के दौरान बच्ची ने अदालत से कहा था कि उसे तब तक जेल में रखा जाए, जब तक वह बूढ़ा न हो जाए। मामले में आरोपी सुमित शाक्य को दोषी ठहराते हुए रोहिणी की अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश रजनी रंगा ने



जस्टिस रजनी रंगा।

बच्ची तक पहुंचाएं संदेश- हाईकोर्ट दोषी ने ट्रायल कोर्ट के फैसले और सजा को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी। 22 सितंबर को न्यायमूर्ति प्रतिभा एम. सिंह और न्यायमूर्ति दिनेश भट्ट की पीठ ने मामले की सुनवाई की। हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के जज के संदेश को महत्व देते हुए इसे बच्ची के लिए 'करेज नोट' माना। कोर्ट ने उत्तर-पश्चिम दिल्ली जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को निदेश दिया कि पत्र को प्रिंट करारकर बच्ची या उसके परिवार तक दो सप्ताह के भीतर पहुंचाया जाए। अदालत ने बच्ची को 10.50 लाख रुपए मुआवजा दिए जाने का भी निर्देश दिया है और डीएलएसए से इसकी स्थिति की रिपोर्ट मांगी है। आरोपी की सजा पर तत्काल रोक लगाने और जमानत देने की मांग पर हाईकोर्ट ने फिलहाल राहत नहीं दी। पीठ ने कहा कि मामले में उपलब्ध साक्ष्यों, जिसमें फॉरेंसिक साक्ष्य भी शामिल हैं, को देखते हुए इस स्तर पर सजा निलंबित करने का आधार नहीं है।

लिखा कि जिस व्यक्ति को वह 'अंकल' कहती थी, वह अपनी जिंदगी जेल में बिताएगा और अब कभी आजाद होकर बाहर नहीं आ पाएगा। जज ने बच्ची के साहस की सराहना करते हुए कहा कि उसने अदालत में आकर उस व्यक्ति की पहचान की, सच बताया और चुप रहने के बजाय अपनी मां को घटना

की जानकारी दी। जज ने पत्र में बच्ची से कहा कि अदालत उसका बचपन वापस नहीं ला सकती, लेकिन उसके शब्द सुने गए हैं और उसका साहस हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने उसे आगे की जिंदगी जीने, स्कूल जाने, दोस्तों के साथ खेलने, हंसने और अपने सपने पूरे करने के लिए प्रोत्साहित किया।

ये छोला है...बजबजा रही नालियां, हर जगह कचरा

भोपाल। राजधानी के छोला क्षेत्र की विभिन्न कॉलोनियों में स्वच्छता सेवाएं दयनीय स्थिति में प्रतीत होती हैं। सड़कों के किनारे और खाली भूखंडों पर कचरे के ढेर जमा हो गए हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि कॉलोनियों में नियमित सफाई न होने के कारण समस्या लगातार बिगड़ती जा रही है। लोगों का कहना है कि नालियां बजबजा रही हैं। जगह-जगह कचरे का अंबार पड़ा है। आलम यह है कि सड़क के बीच बने डिवाइडर पर भी कचरे का ढेर लगा है। कई बार शिकायतों के बाद भी नगर निगम के जिम्मेदार सफाई करवाना तो दूर, इस ओर झांक तक नहीं रहे हैं। उनका कहना है कि बारिश के बाद फैले इस तरह के कचरे से बीमारियों के फैलने की आशंका भी बन रही है। लोगों ने कहा, यदि नियमित सफाई नहीं हुई तो हम सड़क पर उतरेंगे।

न्यूज विडिो

पुष्पा स्टाइल में चंदन की तस्करी स्वर्ण जयंती पार्क में कट रहे पेड़



भोपाल। फिल्म पुष्पा में जिस तरह नदी के रास्ते से चंदन की तस्करी करते दिखाया गया है, उसी की तर्ज पर मामला राजधानी के मध्य व्यस्ततम क्षेत्र में घटित हो रहा है। जिसकी भनक तक जिम्मेदारों को नहीं है। बावड़ियाकला से कोलार रोड के सर्वधर्म ब्रिज तक 100 एकड़ क्षेत्र में फैले स्वर्ण जयंती पार्क के एक ओर कलियासोत नदी का किनारा तो है जबकि तीन तरफ मेन रोड हैं। हरियाली से भरपूर यह पार्क शहर के बीचो बीच घने जंगल का एहसास कराता है। पार्क के घने जंगल में विभिन्न प्रकार के वृक्षों के मध्य ही बड़ी संख्या में चंदन के पेड़ भी लगे हैं। जिनकी चोरी करने का तरीका भी देखने में फिल्म पुष्पा के जैसा ही है। जंगल से चंदन के पेड़ काटकर छोटे-छोटे टुकड़े कर नदी में फेंककर ठिकाने तक पहुंचा रहे हैं।

ट्रेनों की एसी कोच में करता था चोरी पुलिस ने किया गिरफ्तार

भोपाल। ट्रेनों की एसी बोगियों में सो रहे यात्रियों का सामान चोरी करने वाले आरोपी को जीआरपी भोपाल ने गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपी ने नाम देव कुमार अहिरवार (27) निवासी सागर हल गिन्नौरी भोपाल निवासी बताया है। कार्रवाई करते हुए उसके कब्जे से 4.80 लाख रुपए कीमत के सोने-चांदी के जेवर, मोबाइल और अन्य सामान बरामद किया है। थाना प्रभारी जहीर खान ने बताया कि 17 सितंबर को कोयम्बटूर से हजरत निजामुद्दीन जा रही ट्रेन में सफर कर रही दिल्ली निवासी महिला का भोपाल रेलवे स्टेशन पर पर्स चोरी हो गया था। पर्स में छह हजार रुपए नकद, सोने के कान के टॉप्स, आधार कार्ड, एटीएम कार्ड, पैन कार्ड और दो घड़ियां थीं। बाद में महिला के एटीएम से 40 हजार निकाले। निशादेही पर सोने का हार, मंगलसूत्र, कान के टॉप्स, चांदी की पायल-बिछिया और पांच मोबाइल बरामद किए गए। आरोपी स्ट्रे की लत के कारण चोरी करने लगा था। जीआरपी विदिशा और भोपाल में उसके खिलाफ पहले भी चोरी के कई केस दर्ज हैं।

स्टोर से बिक रही थीं नशे की दवाएं, 1454 टैबलेट-कैप्सूल किए जब्त



भोपाल। नशीली और प्रतिबंधित दवाओं की अवैध बिक्री के खिलाफ कोलार रोड पुलिस और ड्रग विभाग ने कार्रवाई की है। पुलिस ने एक संदिग्ध युवक से पूछताछ के बाद बंजारी निवासी संतोष चौहान के घर से 214 प्रतिबंधित टैबलेट बरामद कीं। पूछताछ में इन दवाओं की सप्लाई दो मेडिकल स्टोर से होने की जानकारी सामने आई। थाना प्रभारी संजय सोनी ने बताया कि बीमा कुंज स्थित चाय की दुकान के पास मिथलेश लोधी संदिग्ध हालत में मिला। तलाशी में उसके पास नशे के लिए इस्तेमाल की जा रही स्पासो प्रॉक्सिवाॉन प्लस की दो कैप्सूल मिलीं। पूछताछ में उसने बताया कि दवाएं नितेश चौहान के भाई संतोष से खरीदी थीं। इसके बाद पुलिस ने संतोष के घर पहुंचकर तलाशी ली। यहां स्पासो प्रॉक्सिवाॉन प्लस की 184 और अल्फाजोन की 30 गोतियां मिलीं। संतोष ने दवाएं बरखेड़ी स्थित आयुष मेडिकल और अन्ना नगर स्थित राज मेडिकल से खरीदना बताया। ड्रग विभाग के साथ जांच में आयुष मेडिकल से अलग-अलग कंपनियों की 696 और राज मेडिकल से 544 प्रतिबंधित दवाएं बरामद हुईं। ड्रग विभाग ने दोनों मेडिकल स्टोर को सील कर दिया है।

कलेक्शन एजेंट का बैग ले भागा बदमाश, पुलिस ने किया केस दर्ज

भोपाल। खजूरी सड़क थाना क्षेत्र में पान मसाला की दुकान से एक अज्ञात बदमाश बैंक कलेक्शन एजेंट का बैग चोरी कर ले गया। बैग में 40,600 रुपये का बैंक कलेक्शन, 12 हजार रुपये नकद, बैंक के दस्तावेज और आईडी रखी थी। चोरी गए सामान और नकदी की कुल कीमत करीब 52,600 रुपये है। भौरी निवासी पंकज नक भगनंगर बैंक बैरागढ़ में डेली कलेक्शन का काम करता है। साथ ही वह अपने भाई के साथ भौरी जोड़पर रेस्टोरेंट भी संचालित करता है। 25 सितंबर को वह बैंक का कलेक्शन करने के बाद रेस्टोरेंट के लिए नमकीन, पान मसाला सहित अन्य सामान खरीद रहा था। दोपहर करीब 2 बजे वह कुष्णा पान मसाला दुकान पर पहुंचा। सामान खरीदते समय उसने छोटा पिटू बैग काउंटर के पास रख दिया। तभी अज्ञात व्यक्ति बैग उठाकर फरार हो गया। पुलिस ने केस दर्ज किया है।



सच्ची मंडी के पास बने छोला प्लाईओवर के नीचे हालत बदतर है। निगम के कर्मचारी करोड़ सच्ची मंडी, प्रीत नगर, आरिफ नगर, शिवनगर जैसे क्षेत्रों में घर-घर जाकर कचरा एकत्रित करते हैं, लेकिन कचरे को आदमपुर खती तक नहीं पहुंचा रहे।



वे कचरे को यूनियन कार्डाईड फैक्ट्री के पीछे छोला प्लाईओवर के पास खाली पड़े मैदान में डाल रहे हैं। इससे वहां पर कचरे का ढेर लग रहा है। इस अघोषित खती के कारण पूरे क्षेत्र में भारी दुर्गंध फैल रही है। लोग परेशान हैं।

एनजीटी में 5 मामलों की सुनवाई : तालाबों में नाले व पहाड़ी खोदने पर सख्ती

छोटी झील में 80 लाख लीटर सीवेज, 2.10 करोड़ क्षतिपूर्ति!

भोपाल। दोपहर मेट्रो

छोटी झील को सीवेज से बचाने वें लिए 37 नालों को एसटीपी से जोड़ने के बावजूद झील में रोज 80 लाख लीटर बिना उपचार का सीवेज पहुंच रहा है। नगर निगम की रिपोर्ट के अनुसार बाणगंगा नाले से 6 एमएलडी और पुराने मछलीघर के पास से 2 एमएलडी सीवेज सीधे झील में जा रहा है। इसे रोकने के लिए 10 एमएलडी का नया एसटीपी बनाया जा रहा है। इस बीच प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने 31 मार्च 2026 से 31 दिसंबर 2027 तक की अवधि के लिए निगम पर 2.10 करोड़ रुपए पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति की गणना की है। यह राशि एनजीटी के अंतिम निर्धारण के अधीन है। निगम ने बताया कि छोटी झील में पहले मिलने वाले 37 नाले एसटीपी की ओर मोड़ दिए हैं। इन नालों का अनुमानित प्रवाह 38.7 एमएलडी है। इसके बाद भी दो नालों से 8 एमएलडी सीवेज अब भी झील में पहुंच रहा है। निगम के अनुसार दोनों नालों के सीवेज ट्रीटमेंट के लिए 10 एमएलडी क्षमता का एसटीपी बना रहे हैं, इसे



पीएचई के पीएस को देना होगा जवाब

निगम ने बताया कि सीवेज व्यवस्था और कार्रवाई रिपोर्ट देने के झील के कुछ हिस्सों के रखरखाव में पीएचई की भी भूमिका है। इसके बाद एनजीटी ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के प्रमुख सचिव (पीएस) पक्षकार बनाया है। उन्हें 15 दिन में जवाब और कार्रवाई रिपोर्ट देने के निर्देश दिए गए हैं। निगम से भी 15 दिन में सीवेज रोकने, वेटलैंड की सुरक्षा और अवैध निर्माण पर की गई कार्रवाई की रिपोर्ट मांगी गई है।

31 दिसंबर 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा है। प्रोफेसर कॉलोनी का 2 एमएलडी का एसटीपी पहले से चला रहे हैं। 5 लाख प्रति नाला प्रति माह के हिसाब से गणना एनजीटी ने 11 अगस्त के आदेश में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति गणना करने के निर्देश दिए। इसके अनुसार, 31 मार्च 2026 से 31 दिसंबर 2027 तक दो नालों के लिए गणना 2 गुणा 5 लाख गुणा 21 माह, यानी 2.10 करोड़ रुपए तय किए।

नेताओं ने कहा-एसआईआर में गड़बड़ी की, यह राष्ट्रद्रोह...तुरंत दें इस्तीफा, केस भी दर्ज हो

सीईसी को पद से हटाने की मांग लेकर पूरे प्रदेश में सड़कों पर उतरी कांग्रेस, कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट घेरा

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग को लेकर कांग्रेस ने आज पूरे मध्यप्रदेश में प्रदर्शन किया। सभी जिलों में जुटे कार्यकर्ताओं ने जमकर विरोध जताया। कांग्रेसी कलेक्ट्रेट कार्यालयों का घेराव कर ज्ञापन सौंप रहे हैं। इंदौर में कलेक्ट्रेट के बाहर चार थानों का बल तैनात किया गया है, तो भोपाल में भी कांग्रेसी सड़क पर उतर आए। वहीं, ग्वालियर में कार्यकर्ता बैरिकेडिंग तोड़कर कलेक्ट्रेट में जा घुसे। रतलाम में कार्यकर्ता ठेले पर ज्ञानेश कुमार का पुतला लेकर निकले। कांग्रेस मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर राष्ट्रद्रोह का केस दर्ज करने की मांग कर रहे हैं।



इसलिए प्रदर्शन कर रही पार्टी

कांग्रेस का प्रदर्शन मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर और चुनाव आयोग से जुड़े विवाद को लेकर है। पार्टी मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रही है। देशभर में कांग्रेस की ओर से ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और गिरफ्तारी की मांग की जा रही है। इससे एक दिन पहले कल ही भोपाल में प्रदेश कांग्रेस ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय का घेराव किया था। प्रदर्शन का नेतृत्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने किया।

बिजली कंपनी की लापरवाही से वकील की करंट लगने से मौत का मामला..पुलिस ने अज्ञात पर दर्ज किया केस

भोपाल। दोपहर मेट्रो

एमपी नगर पुलिस ने डीबी मॉल के पास बिजली के खंभे की चपेट में आने से बीजेपी युवा मोर्चा के पदाधिकारी और वकील दिव्यारीषि तिवारी की मौत के सिलसिले में बीएनएस की धारा 106(1) के तहत अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।



एफआईआर में मौके पर बिजली के खंभे के रखरखाव में कथित लापरवाही का हवाला दिया गया है। एफआईआर के अनुसार, पत्रकार कॉलोनी के रहने वाले 30 वर्षीय तिवारी 27 सितंबर को डीबी मॉल कट पॉइंट के पास सड़क पार करते समय बिजली के एक घातक झटके की चपेट में आ गए। पुलिस ने बताया कि खंभा और लोहे की छड़ कथित तौर पर बिना पर्याप्त सुरक्षा जांच के खुले में छोड़े गए थे।

पुलिस बोली-जांच कर रहे

पुलिस का कहना है, प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि तिवारी सड़क पार करते समय खंभे के संपर्क में आए। जिम्मेदारी तय करने से पहले खंभे की स्थापना व रखरखाव के लिए जिम्मेदार एजेंसी का विवरण जुटा रहे हैं। तिवारी के बड़े भाई दिव्यांशु ने बताया, मौत के दो दिन बाद तक नगर निगम ने कोई सुध नहीं ली।

मेट्रो एंकर

100 से अधिक परीक्षणों से परखा जाएगा दूध, पशुपालकों को मिलेगा सही दाम, लोगों को बेहतर दूध

भोपाल में प्रदेश की पहली हाईटेक डेयरी लैब तैयार, बड़ेगी शुद्धता

भोपाल। दोपहर मेट्रो

दूध में मिलावट पर नकेल कसने के लिए मध्य प्रदेश को अपनी पहली सहकारी क्षेत्र की राज्य-स्तरीय डेयरी टेस्टिंग लैब मिल गई है। मध्य प्रदेश स्टेट को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन (एमपीसीडीएफ) परिसर में 12.40 करोड़ रुपये की लागत से बनाई गई यह उन्नत सुविधा अब कमीशनिंग के लिए पूरी तरह तैयार है। इस परियोजना को केंद्र सरकार के राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम (एनडीपीपी) के तहत वित्त पोषित किया गया है। इस बात की पुष्टि सांची डेयरी की वेबसाइट पर मौजूद आधिकारिक रिकॉर्ड से होती है, जिसमें बताया गया है कि भोपाल के कैपिटल प्रोजेक्ट अथॉरिटी को सिविल और इंटीरियर का काम सौंपा गया था।



कीटनाशक और भारी धातुओं की जांच हो सकेगी तो बड़ेगी शुद्धता

यह प्रयोगशाला अत्याधुनिक उपकरणों से लैस है और यह दूध एवं दुग्ध उत्पादों की 100 से अधिक पैमानों पर जांच करेगी। इन परीक्षणों में कीटनाशक, एंटीबायोटिक्स, भारी धातुएं, एफ़लाटॉक्सिन, वसा शुद्धता, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और यूरिया, स्टार्च, चीनी, नमक, माल्टोडिस्ट्रिन और आयोडीन जैसे सामान्य मिलावट करने वाले तत्व शामिल होंगे। अपनी

तरह की यह पहली लैब होगी जो न केवल सहकारी यूनियनों के लिए, बल्कि आम उपभोक्ताओं और निजी खाद्य उत्पादकों के लिए भी खुली रहेगी जो उत्पादों की जांच करवाना चाहते हैं। अफसरों ने बताया, लैब को एनबीएल और एफएसएसएआई मान्यता मानकों के अनुसार विकसित किया गया है और इसे मान्यता मिलने की प्रक्रिया जारी है।

बेहतर पैकेजिंग तकनीक भी विकसित होगी

यह सुविधा जल्द ही चालू होने की उम्मीद है। इस पहल का उद्देश्य गुणवत्ता सुनिश्चित करना, खाद्य सुरक्षा मानदंडों को लागू करना और पूरे राज्य में मिलावट की निगरानी को मजबूत करना है, जो देश की 'मिल्क कैपिटल' बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। विशेषों की मांगें तो इस लैब से मिलावट पर रोक लगाने में मदद मिलेगी। आधुनिक मशीनों द्वारा दूध में पानी, यूरिया, डिटेजेंट, स्टार्च और सिंथेटिक पदार्थों की मिलावट का तुरंत पता चल जाएगा। दूध में मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया और एंटीबायोटिक के अवशेषों की सटीक जांच हो सकेगी। इससे

उपभोक्ताओं को सुरक्षित दूध मिलेगा। इतना ही नहीं, दूध में फैट और एसएनएफ की मात्रा की सटीक जांच होने से किसानों को उनके दूध का सही और बेहतर दाम मिलेगा। इसके साथ ही सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि उपभोक्ताओं के लिए नए डेयरी उत्पाद के लिए भी प्रयास किए जा सकेंगे। चीज, पनीर, फ्लेवर्ड मिल्क, योगर्ट और घी की शेल्फ लाइफ (खराब न होने की अवधि) और गुणवत्ता को बढ़ाया जा सकता है। इसके साथ ही उत्पादों को लंबे समय तक सुरक्षित रखने के लिए बेहतर पैकेजिंग तकनीक विकसित होगी।

सहकार से समृद्धि... बीज विपणन, दुग्ध समितियों से लेकर जिला सहकारी बैंकों को मजबूत बनाने की पहल के साथ बदल रही है गांवों की तस्वीर

ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर फोकस; प्रदेश की सभी 4,536 पैक्स संस्थाएं पूरी तरह डिजिटल

वित्तीय समावेशन में देश का अग्रणी राज्य बना मप्र

भोपाल

मध्यप्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए राज्य सरकार ने बड़ी संकल्पना बतलाने की है। प्रदेश की सभी 4,536 प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियाँ (पैक्स) को खत-परिणत डिजिटल कर दिया गया है। इन ऐतिहासिक कंप्यूटरीकरण के साथ मध्यप्रदेश देश में अग्रणी राज्य बनकर उभर रहा है। इस डिजिटल क्रांति से किसान जल्द ही मोबाइल एप के जरिए अपनी समिति से ढुंढ सकते हैं। वे अपने वित्तीय ट्रांजेक्शन और ऋण संबंधी कार्य पर बैठे ही अपनी से कर पाएंगे।

कमजोर सहकारी बैंकों के लिए विशेष कार्ययोजना

मध्यप्रदेश सरकार ने कमजोर जिला सहकारी बैंकों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 3 साल का लक्ष्य तय किया है। इस दिशा में तेजी से काम करते हुए पिछले ढाई साल में 18 कमजोर जिला सहकारी बैंकों में से 6 बैंकों की माली हालत में सुधार के लिए बड़े कदम उठाए जा चुके हैं।



सहकारिता विभाग की बैठक में सीएम डॉ. मोहन यादव।

2 वर्षों में 14 लाख विपणन प्रमाणित बीजों का विपणन

बीज उत्पादन में आत्मनिर्भरता के लिए भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड (BBSSL) और राज्य के सहकारी बीज संघ के बीच एक बड़ा समझौता हुआ है। इस समझौते से अब तक 17 करोड़ रुपये का व्यावसायिक टर्नओवर मिल चुका है। इसके साथ ही 844 पैक्स संस्थाएं इसकी सदस्य बन चुकी हैं। इन व्यवस्था के तहत पिछले 2 वर्षों में 14 लाख विपणन प्रमाणित बीजों का रिकॉर्ड उत्पादन और वितरण विपणन किया गया है।

ग्रामीण क्षेत्रों में 1,102 नई दुग्ध समितियों का गठन

सहकारिता का दायरा बढ़ाते हुए ग्रामीण इलाकों में 1,102 नई दुग्ध सहकारी समितियाँ बनाई गई हैं। अब प्रदेश में कुल दुग्ध समितियों की संख्या बढ़कर 5,562 हो गई है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए 76 हजार नए दुग्ध उत्पादक सदस्यों के बचत खाते सीधे जिला सहकारी बैंकों में खोले गए हैं।

डिजिटल सहकारिता क्रांति

- **घर बैठे बैंकिंग:** सभी 4,536 पैक्स के डिजिटल होने से किसानों को बिना चक्कर काटे ऋण और खाद-बीज की पारदर्शी सुविधाएं सीधे मिलेंगी।
- **सुरक्षित बैंकिंग इंफ्रास्ट्रक्चर:** 6 जिला सहकारी बैंकों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर बैंकिंग सेवाएं मिल रही हैं।
- **प्रमाणित बीज की असाज पहुंच:** 14 लाख डिजिटल रिकॉर्ड प्रमाणित बीजों के वितरण से किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज समय पर मिल रहे हैं।
- **दुग्ध उत्पादकों को संबल:** 76 हजार नए सदस्यों के बैंक खाते खुलने से दूध की भिखी का पैसा बिना किसी देरी के सीधे उनके खातों में पहुंच रहा है।

प्रतिदिन दुग्ध संकलन 10 से बढ़ाकर 50 लाख लीटर करने का रोडमैप तैयार

देश की मिल्क कैपिटल बनेगा एमपी

एनडीडीबी के साथ ऐतिहासिक अनुबंध, दुग्ध संघों के खरीदी मूल्य में ₹8.50 प्रति ली. तक की रिकॉर्ड बढ़ोतरी

दुग्ध संकलन वाले गांवों की संख्या अगले 5 वर्ष में 9 हजार से बढ़ाकर 26 हजार करने की तैयारी में सरकार

भोपाल

मध्यप्रदेश को देश की अग्रणी 'मिल्क कैपिटल' के रूप में स्थापित करने के लिए राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने सभी ब्रांड को वैश्विक स्तर पर मजबूत करने और दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के साथ ऐतिहासिक अनुबंध किया है। इसके तहत दैनिक दुग्ध संकलन क्षमता बढ़ाकर 50 लाख लीटर प्रतिदिन करने का रोडमैप तैयार किया गया है। प्रमुखता से उनके परिश्रम का स्वीकार करते हुए दुग्ध संघों द्वारा दूध की खरीदी दरों में रिकॉर्ड 2.50 से लेकर 8.50 रुपये प्रति लीटर तक की भारी बढ़ोतरी की गई है। इसके फलस्वरूप दुग्ध संघों ने उत्पादक किसानों को पिछले वर्ष की तुलना में 15 प्रतिशत से अधिक रकम का सीधा भुगतान किया है। वर्तमान में प्रदेश में प्रतिदिन 9.67 लाख किलोग्राम औसत दुग्ध संकलन की ऐतिहासिक उपस्थिति दर्ज हो चुकी है। अगले 5 वर्षों के भीतर दूध संकलन वाले गांवों की संख्या को 9 हजार से बढ़ाकर 26 हजार किया जाएगा। साथ ही प्रदेश के कम से कम 50 प्रतिशत गांवों में प्राथमिक डेयरी सहकारी समितियाँ बनाई जाएंगी।

बाजार की चिंता खत्म, दैनिक आय में बढ़ोतरी के साथ स्वरोजगार पर जोर



एनडीडीबी से करार के दौरान केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह का स्वागत करते सीएम।

- **सुरक्षित खरीदी :** अगले 5 वर्षों से बचत 9 हजार से बढ़ाकर 26 हजार गांव होने से प्रमुखता से दूध बेचने के लिए अपने गांव में ही घरका बाजार मिल जाएगा।
- **सीधे खाते में उपास लाभ:** खरीदी दरों में ₹8.50 प्रति लीटर तक की वृद्धि और कुल भुगतान में 15% की बढ़ोतरी से ग्रामीण परिवारों की दैनिक कसड़ी आरंभ हुई है।
- **कमर्शियल डेयरी को संबल:** 42 लाख रुपये तक के ऋण पर 33% तक की भारी तकरीबन सब्सिडी से युवाओं के लिए डेयरी क्षेत्र में स्वरोजगार शुरू करना आसान हुआ है।
- **बचत सुधार से उत्पादन:** हिरण्यगर्भा अभियान के तहत उच्चतम प्दु नस्ल तैयार होने से प्रति प्दु दुग्ध उत्पादन क्षमता में आने वाले समय में भारी वृद्धि होगी।

वृंदावन ग्राम योजना व डॉ. अम्बेडकर कामधेनु योजना के साथ दुग्ध उत्पादकों को सौगात

ग्रामीण क्षेत्रों में प्दुपालन को लाभकारी बनाने के लिए हर थियेटरलैंड के एक गांव को अदर्श वृंदावन ग्राम के रूप में विकसित किया जा रहा है। डॉ. अम्बेडकर कामधेनु योजना के तहत 25 दुग्ध प्दुओं की नई कमर्शियल डेयरी इकाई लगाते के लिए ₹42 लाख तक की ऋण सहायता दी जा रही है, जिसमें 25% से लेकर 33% तक की भारी सब्सिडी का प्रयोजन है। इसके अलावा 10 से ज्यादा गांव घराने पर सरकार द्वारा विशेष अनुदान दिया जा रहा है।

ग्यालियर में बायोगैस सीएनजी प्लांट स्थापित, हिरण्यगर्भा अभियान से होगा नस्ल सुधार

सुधन कल्याण के लिए ग्यालियर की आदरां गौ-शाला में देश के पहले 100 टन क्षमता वाले बायोगैस आधारित सीएनजी प्लांट की सफल स्थापना की जा चुकी है। चिकित्सा सुविधाओं को सुदूर क्षेत्रों तक पहुंचाने के लिए ग्यालियर में आधुनिक 'पशु केयर एंड वेलनेस सेंटर' तथा डबारा में नया हाइटेक पशु चिकित्सालय स्थापित किया जा रहा है। इसके साथ ही पशुओं के नस्ल सुधार के लिए पूरे प्रदेश में 'हिरण्यगर्भा अभियान' का प्रभावी संचालन किया जा रहा है।

वन विज्ञान केंद्रों के लिए 48 करोड़ स्वीकृत किसानों को मिलेगा औषधीय व व्यावसायिक खेती का प्रशिक्षण

भोपाल

मध्यप्रदेश में किसानों को व्यावसायिक और औषधीय खेती का प्रशिक्षण देने के लिए राज्य सरकार ने एक बड़ा नीतिगत दांचा तैयार किया है। इसके तहत वनों के पास रहने वाले कृषकों को कृषि-व्यापिक की आधुनिक तकनीकों से जोड़ा जाएगा। सरकार ने वर्ष 2025-26 से 2029-30 की अवधि के भीतर प्रदेश के विभिन्न अंचलों में 6 नए आधुनिक वन विज्ञान केंद्रों की स्थापना के लिए 48 करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि को प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर दी है।

ये केंद्र किसानों को पारंपरिक खेती के साथ-साथ कीमती औषधीय पौधों और व्यावसायिक वन वृक्षों को लगाने की वैज्ञानिक पद्धतियों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। इससे पर्यावरण संरक्षण में सुधार होने के साथ-साथ ग्रामीण स्तर पर स्वरोजगार के नए रास्ते खुलेंगे और किसानों की आय में सतत वृद्धि सुनिश्चित होगी।

तकनीक बनी वरदान.. कीटों से शत-प्रतिशत बचाव, ऑफ-सीजन में भी बंपर उत्पादन

कम पानी और शून्य बजट में फसलों की सुरक्षा; तेजी से बढ़ रहा संरक्षित खेती का दायरा, पॉलीहाउस और शेडनेट बने वरदान

टपक सिंचाई (ड्रिप) और मल्टिपल तकनीक से लागत में आधी कमी

भोपाल

मध्यप्रदेश में प्राकृतिक खेती के साथ-साथ अब संरक्षित खेती को एक नई और आधुनिक मुद्रा के साथ खेती की रूप में तेजी से अपनाया जा रहा है। उदाहरण के लिए खसिरा प्रसंस्करण विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन में प्रदेश के हजारों किसान अब खुले खेतों की परंपरिक कृषि को छोड़कर आधुनिक पॉलीहाउस और शेडनेट हाउस की तरफ रुख कर रहे हैं। इसका सबसे बड़ा लाभ यह है कि इसके अंतर्गत फसलों को अत्यधिक तेज धूप, ओवरक्यूट, फल और



हलिकारक कीटों के आक्रमण से पूरी तरह सुरक्षित रख जा सकता है, जिससे फसलों का उत्पादन 3 से 4 गुना तक बढ़ जाता है। इस पद्धति के तहत विभाग द्वारा एकीकृत बागवानी प्रशिक्षण मिशन और पौधम सिंचाई योजना के अंतर्गत से किसानों को 40% से 50% तक का भारी हासनीय अनुदान प्रदान किया जा रहा है, जिससे लागत बेहद कम हो

जाती है। ड्रिप इरेगेशन (टपक सिंचाई) और प्लास्टिक मल्टिपल तकनीक का अतिरिक्त रूप से उपयोग किया जाता है। ड्रिप तकनीक से पौधों की जड़ों तक सीधे बूझ-बूझ फनी और आवश्यक रिजिडि फर्टिलाइजर पहुंचाया जाता है, जिससे फसल की 70% तक बचत होती है और खरब का एक भी दान बर्बाद नहीं जाता। वहीं, मल्टिपल पेपर थिन्नेर से खेतों में खरबजराक पूरी तरह समाप्त हो जाती है और मजदूरी की लागत में भारी कमी आती है। मालख और विमला अंचल के जिलों में इस पद्धति से खरीद-कचड़ी, शिमला मिर्च, तरबूज और गुलाब जैसी उच्च मूल्य वाली फसलों का रिकॉर्ड तोड़ उत्पादन किया जा रहा है, जो कम समय में किसानों को लक्ष्यकारी बनाने वाली सर्वश्रेष्ठ पद्धति साबित हो रही है।

उद्यानिकी नवाचार, कृषि नीति एवं इंफ्रास्ट्रक्चर

- 1 **₹20.00 करोड़**
BARC डॉल्फे के सहयोग से भोपाल में 'डिजिटल तकनीकी इकाई' की स्थापना
- 2 **₹1.25 करोड़**
RRCAT के सहयोग से इंदौर में आधुनिक 'शीतल वाहक संयंत्र' परियोजना
- 3 **₹11.34 करोड़**
सागर (झिजा) व देवल (कल्लोड) में संकर लकड़ी बीजोत्पादन वास्तु
- 4 **₹2.5 करोड़**
मालख व चंभल के 12 प्रमुख जिलों में 'पेट्टेले कॉन्स्ट्रैक्ट फार्मिंग'
- 5 **10 नए जिले**
जबलपुर, रीवा, कटनी और 10 नए जिलों में मद्यलख खेती का संयोजन प्रसार
- 6 **₹505 करोड़**
गोवर्धन बोर्ड का बजटीय कोष गौशालाओं को चार-भूसा अनुदान हेतु
- 7 **2,056+ गौशालाएं**
प्रदेश में सरकारी संरक्षण में संचालित, जहां 3.98 लाख गौ-वंश का पालन
- 8 **4 'आदर्श' जिले**
आगरा, मालवा, इंदौर, जवाहरपुर व उज्जैन में सर्वसुविधापूर्ण आदर्श गौशालाएं

करुणा और सेवा का नया अध्याय... पशुपालन विभाग को अब गौपालन का नाम, आर्थिक स्वावलंबन से सुविधाओं तक का खाका तैयार

प्रति गौ-वंश दैनिक आहार भत्ता राशि अब दोगुनी; प्रदेश की 2,000 से ज्यादा गौशालाओं में पल रहे 3.98 लाख से अधिक गौ-वंश को मिला आर्थिक संबल

भोपाल

भारतीय संस्कृति और ग्रामीण जीवन की धुरी मने जाने वाले गौ-वंश के संरक्षण के लिए मध्यप्रदेश सरकार ने करुण और संवेदनशीलता से भरा एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। पशुपालन विभाग का नाम अब आर्थिक रूप से 'गौपालन विभाग' कर दिया गया है। गौ-वंश के बेहतर और पॉस्टिक अहार को सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने प्रति गौ-वंश मिनिके वाली 20 रुपये की दैनिक अहार राशि को सीधे दोगुना करके 40 रुपये कर दिया है। इस योजना को निष्कर्ष रूप से चलाते के लिए प्रदेश के गोवर्धन बोर्ड को 506 करोड़ रुपये के भारी बजटीय कोष का विशेष प्रावधान किया गया है।

चार-भूसा अनुदान के लिए 505 करोड़ रुपये का विशेष बजटीय कोष



वर्तमान में सरकार के सहयोग से प्रदेश में 2,056 से अधिक गौ-शालाओं का सफल संचालन हो रहा है। इन गौशालाओं में 3 लाख 98 हजार से अधिक गौ-वंश का पूरा संवेदनशीलता के साथ पालन-पोषण किया जा रहा है। वहीं, 4 जिलों-आगरा, मालवा, इंदौर, जवाहरपुर और उज्जैन में आधुनिक सुविधाओं से युक्त आदर्श गौशालाएं स्थापित की जा चुकी हैं, जहाँकि भोपाल, जबलपुर और सागर में इनका निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है।

पंचायत राज्यों में आत्मनिर्भर बनने की गौशालाएं: सरकार ने स्वावलंबी गौ-शालाओं की स्थापना सीटी-2025 को मंजूरी दी है। इसके अंतर्गत गौशालाओं के पंचायत उत्पादों, जैविक खाद, गोमूत्र अर्क और प्राकृतिक कीटनाशकों की बिक्री के लिए एक आधुनिक मार्केटिंग प्लेटफॉर्म तैयार किया जा रहा है।

हाइड्रोपॉनिक वरीकरण से मिलेगा नया जीवन: सड़कों पर दुर्घटनाग्रस्त या बीमार होने वाली असहाय गायों के तबिल उपचार के लिए भी एक अलग व्यवस्था की गई है। राज्य के प्रमुख हाइवे और ग्रामीण क्षेत्रों पर आधुनिक हाइड्रोपॉनिक वरीकरण सिस्टिम वाहनों की तैनाती की गई है।

समृद्धि के 3 स्तर

- **अहार स्तर में 100% वृद्धि:** प्रति गाय दैनिक भत्ता ₹20 से बढ़ाकर ₹40 होने से अब गौशालाओं में प्दुओं को अधिक पॉस्टिक और पर्याप्त मात्रा में चार-भूसा मिल सकेगा।
- **सुविधाएं परियोजनाएं:** आधुनिक हाइड्रोपॉनिक वाहनों की तैनाती से सड़क पर घायल होने वाली असहाय गायों को बिना अतिरिक्त पौधों के तुला इलाज मिलान संभव हुआ है।
- **आत्मनिर्भरता का नया मॉडल:** स्वावलंबी वीलों के तहत जैविक खाद और गोमूत्र अर्क के व्यावसायिक निर्यात से गौशालाओं की दैनिक आय में सुधार होगा।

आयुष्मान भारत योजना देश की उन महत्वपूर्ण सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में हैं, जिनका सीधा संबंध आम आदमी की जिंदगी से है। गंभीर बीमारी के इलाज का खर्च उठाने में असमर्थ परिवारों के लिए यह योजना किसी सहारे से कम नहीं। लेकिन इस व्यवस्था में होने वाली गड़बड़ियां और फर्जीवाड़े योजना की मूल भावना पर सवाल खड़े करते हैं। मरीजों के नाम पर ऐसे इलाज दिखाना जो वास्तव में हुआ ही नहीं, जरूरत से ज्यादा प्रक्रियाएं करना, अस्पतालों द्वारा अनावश्यक जांच या उपचार का बिल बनाना और अपात्र लोगों को लाभ पहुंचाना केवल वित्तीय अनियमितताएं नहीं हैं, बल्कि जरूरतमंदों के अधिकार पर चोट हैं।

पहाड़ के तीर्थ स्थलों और धार्मिक आयोजन की गरिमा को बचाना जरूरी



हाल ही में देश के विभिन्न हिस्सों से तेज आवाज के कारण गंभीर घटनाएं और मौतें सामने आई हैं,बद्रीनाथ धाम जैसे पवित्र स्थलों और विभिन्न विसर्जन यात्राओं में डीजे के नाम पर होने वाले शोर-शराबे और ड्रांस को लेकर विवाद बढ़ गया है।धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रमों में डीजे के बढ़ते शोर से गंभीर नुकसान हो रहा है, जो अब केवल सांस्कृतिक धार्मिक कार्यक्रम न रहकर एक बड़ा सामाजिक और स्वास्थ्य संकट का रूप ले चुका है।

हाल ही में पवित्र तीर्थ स्थल बद्रीनाथ पर आयोजित कार्यक्रम के सम्बन्ध में लोगों का मानना है कि ऐसे धार्मिक कार्यक्रमों से शांति और गरिमा नष्ट होती है।ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और भाजपा के वरिष्ठ नेता मुरली मनोहर जोशी ने इस आयोजन की कड़ी आलोचना की।इसे देवभूमि की संस्कृति के खिलाफ और बाजारू संस्कृति करार दिया गया। पर्यावरणविदों और स्थानीय लोग ने भी उच्च हिमालयी और संवेदनशील इको-जीन में तेज बेस व कंपन से ग्लेशियर/पर्यावरण को नुकसान पहुंचने की आशंका जताई।

आपको बता दें कि बद्रीनाथ धाम पर मुरली मनोहर जोशी ने चिंता व्यक्त की है कि अब खुद जिम्मेदार लोग ही इस पर धर्म और आस्था के नाम पर नियम-कानूनों को ताक पर रखना, प्रकृति को नुकसान पहुंचाना और आम जनता के जीवन से खिलवाड़ करने से बाज नहीं आ रहे हैं, यह विकृति बढ़ रही है। अभी 19 और 20 सितंबर को उत्तराखंड के बद्रीनाथ धाम पर ट्रस्टिस्ट अराइवल प्लाजा में दो दिनों के देवभूमि सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम के दौरान तेज आवाज में डीजे, साउंड सिस्टम और गानों पर लोगों के थिरकने के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए। इस के बाद आलोचना का दौर शुरू हो गया।

आपको यह भी बता दें कि सत्ता रूढ़ दक्षिण पंथी पार्टी भाजपा जेन-जी पीढ़ी को संस्कार संस्कृति से जोड़ कर अपसंस्कृति गालीबाजी और बड़ों को अपशब्द व आपत्तिजनक व्यवहार से बचाने दूसरी ओर टर्न करने के लिए सक्रिय है। इसी कड़ी में देश भर के जेन-जी को आकर्षित करने के लिए कुछ कार्यक्रम किए जा रहे हैं।बद्रीनाथ के कार्यक्रम में खुद उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी शामिल हुए। आपको पता रहे अभी दो दिन पहले खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिनदयाल उपाध्याय की जयंती पर भजन क्लबिंग में हिस्सा लिया और बाकायदा टवीट किया कि हमारी जेन जी भजन क्लबिंग की ओर बढ़ रही है... यह आध्यात्मिकता और आधुनिकता का एक सुंदर संगम है, जिसमें भजनों की पवित्रता का भी पूरा ध्यान रखा जाता है।वहीं यह भी मानने वाली बात है कि जिन्हें आलोचना करनी है उनको हर काम में बुराई नजर आती है नई पीढ़ी को धर्म अध्यात्म की ओर आकर्षित कर उन्हें ड्रप्स लिंव-इन रिलेशन अमर्यादिमा यौन हिंसा और विकृत सम्बन्धों से काफी हद तक बचाया जा सकता है। बहरहाल, प्रधानमंत्री ने भजन क्लोबिंग का एक टवीट भी किया था यह टवीट बता रहा है कि अभी उन्होंने नयी पीढ़ी से जुड़ने की कोशिश की है।नयी पीढ़ी अध्यात्म दर्शन भक्ति और नवोन्मेष के मॉडल को अपना रही है, जिसे वो नैतिकता आध्यात्मिकता और आधुनिकता का संगम कह रहे हैं। नैतिकता आध्यात्मिकता दर्शन नवोन्मेष आधुनिकता में कभी भी अलगाव नहीं रहा है, ये हमेशा साथ चले हैं।

दूसरी ओर यह भी नकारा नहीं जा सकता है कि कुछ लोग अलग

सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं में सबसे बड़ी चुनौती यह है कि निगरानी कागज से निकलकर वास्तविक इलाज तक पहुंचे। केवल यह देख लेना पर्याप्त नहीं कि अस्पताल ने मरीज का पंजीयन किया और दावा प्रस्तुत कर दिया। यह भी जांचना जरूरी है कि मरीज वास्तव में अस्पताल आया था या नहीं, बीमारी क्या थी, कौन-सी प्रक्रिया की गई और इलाज के बाद उसकी स्थिति क्या रही। दूसरी महत्वपूर्ण बात अस्पतालों और मरीजों दोनों की जिम्मेदारी तय करने की है। यदि कोई अस्पताल फर्जी दावा करता है तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। साथ ही ऐसे मामलों में दलालों या लाभार्थियों की मिलीभगत सामने आती है तो उनकी

गरीब के हक पर चोट

भूमिका को भी जांच जरूरी है। सिर्फ अस्पताल पर कार्रवाई करके व्यवस्था को पूरी तरह साफ नहीं किया जा सकता। तकनीक इस समस्या से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। आधार आधारित सत्यापन, डिजिटल मेडिकल रिकॉर्ड, अस्पताल में भर्ती और छुट्टी के समय की स्वतंत्र पुष्टि तथा सदिग्ध दावों की डेटा एनालिटिक्स से जांच जैसे उपाय गड़बड़ियों को काफी हद तक रोक सकते हैं। लेकिन तकनीक तभी प्रभावी होगी जब उसकी निगरानी भी ईमानदार और नियमित हो। आयुष्मान योजना को बचाने का अर्थ केवल सरकारी धन बचाना नहीं है। इसका असली उद्देश्य

बाढ़ के संकट से निपटने के लिए गाद की सफाई नहीं, नदी का संतुलन जरूरी



नदी में गाद दिखते ही हमारी नजर नदी पर नहीं, गाद पर टिक जाती है। हमें लगता है कि नदी का तल भर गया है, इसलिए पानी रुक रहा है; गाद निकाल देंगे तो नदी गहरी हो जाएगी और बाढ़ का संकट कम हो जाएगा। लेकिन नदी इतनी सरल गणित नहीं है। जिस गाद को हम नदी की समस्या कह रहे हैं, वही गाद नदी के स्वभाव और उसकी यात्रा का हिस्सा भी है। तो फिर सवाल यह है कि समस्या गाद है या गाद का असंतुलित जमाव? यदि गाद निकालना ही समाधान है तो हर बरसात के बाद नदी फिर क्यों भर जाती है? और यदि गाद नदी के साथ चलने वाली प्राकृतिक तलछट है तो उसे हटाने से पहले यह कौन तय करेगा कि कहां से कितनी गाद निकालनी है और कहां उसे नदी के साथ बहने देना है?

बिहार में गंगा और उसकी सहायक नदियों को लेकर यह सवाल अब केवल बाढ़ के मौसम का नहीं रह गया है। यह नदी-विज्ञान, जल-प्रबंधन, पर्यावरण और विकास की दिशा का सवाल है। वर्षों से गाद निकालने की मांग उठती रही है। सरकारों ने समितियां बनाईं, विशेषज्ञों ने अध्ययन किए और न्यायिक संस्थाओं के स्तर पर पर्यावरणीय सवाल उठे। फिर भी बहस बार-बार उसी जगह लौट आती है—गाद निकालें या नहीं?

असल सवाल इससे आगे का है—गाद क्यों जमा हो रही है और नदी का संतुलन कैसे कायम रखा जाए?

15 सितंबर 2026 को बिहार मंत्रिमंडल ने ‘बिहार जलस्रोत पुनर्संथापन एवं गाद प्रबंधन नीति, 2026’ को मंजूरी दी। नीति में नदियों, बराजों और जलाशयों से गाद निकालकर उनकी जलधारण और जलवहन क्षमता बहाल करने तथा निकाली गई गाद का सड़क, रेल, सिंचाई, बाढ़ सुरोक्षा और निमाण कार्यों में उपयोग करने की बात कही गई है। नीति की जरूरत समझी जा सकती है, लेकिन इसकी सफलता मशीनों से निकलने वाली गाद की मात्रा से नहीं मापी जानी चाहिए। कसौटी यह होनी चाहिए कि गाद निकालने के बाद नदी का व्यवहार क्या बदला? क्या बाढ़ का पानी बेहतर ढंग से निकला? क्या कहीं दूसरे हिस्से में कटाव बढ़ा? क्या तलछट फिर उसी स्थान पर जमा हुई? क्या जलीय जीवन प्रभावित हुआ?

इन सवालों का महत्व इसलिए भी है कि गाद पर बनी पुरानी समितियां हमें पहले ही चेतावनी दे चुकी हैं। 2001 में पूर्व केंद्रीय जल आयोग अध्यक्ष डॉ. बी.के. मित्तल की अध्यक्षता में बनी समिति ने गाद जमाव और बाढ़ के संबंधों की पड़ताल की थी। सरकारी अभिलेखों में दर्ज निष्कर्षों के अनुसार बड़ी नदियों में व्यापक स्तर पर गाद निकासी को सामान्य और आर्थिक रूप से व्यवहार्य समाधान नहीं माना गया। हालांकि विशेष परिस्थितियों वाले कुछ हिस्सों में तकनीकी और आर्थिक अध्ययन के बाद लक्षित गाद निकासी की संभावना स्वीकार की गई।

2016 में केंद्र ने माधव चितले समिति का गठन गंगा में भीमगौड़ से फरक्का तक गाद प्रबंधन और ड्रेजिंग के लिए दिशा-निर्देश तैयार करने के उद्देश्य से किया। समिति ने नदी के प्रत्येक हिस्से की अलग प्रकृति को समझने पर जोर दिया। तलछट का आवागमन, जमाव, नदी-तल की स्थिति और वार्षिक तलछट

उस व्यक्ति तक इलाज पहुंचाना है जो अपनी जेब से अस्पताल का खर्च नहीं उठा सकता। इसलिए फर्जीवाड़े पर तत्काल कार्रवाई, अस्पतालों की नियमित ऑडिटिंग और शिकायतों की स्वतंत्र जांच जरूरी है।

सरकार को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि कार्रवाई का डर वास्तविक हो और नियमों का पालन करने वाले अस्पतालों को अनावश्यक परेशान न किया जाए। योजना का विस्तार जितना जरूरी है, उसकी विश्वसनीयता बनाए रखना उससे कम महत्वपूर्ण नहीं। आयुष्मान का पैसा जनता का पैसा है और उसका एक-एक रुपया उसी मरीज के इलाज पर खर्च होना चाहिए जिसके लिए यह योजना बनाई गई है।

बजट जैसे पहलू इसके केंद्र में रहे। दोनों समितियों का संकेत स्पष्ट था—पूरी नदी के लिए एक ही नुस्खा नहीं हो सकता। 2017 में बक्सर से फरक्का तक गंगा के हवाई सर्वेक्षण की पहल भी हुई थी। केंद्र की टीम में पूर्व केंद्रीय जल आयोग अध्यक्ष ए.बी. पांडेया और आईआईटी रुड़की के विशेषज्ञ शामिल थे। यह बताता है कि समस्या को लेकर तकनीकी अध्ययन की आवश्यकता सरकारें पहले भी स्वीकार करती रही हैं। अब सवाल यह है कि उन अध्ययनों की सीख नई नीति के क्रियान्वयन में कितनी दिखाई देगी।

फरक्का का प्रश्न भी इसी वैज्ञानिक संदर्भ में देखना होगा। बिहार लंबे समय से गंगा के प्रवाह और तलछट व्यवस्था पर फरक्का के प्रभाव की बात करता रहा है। लेकिन पूरी नदी की जटिलता को किसी एक बराज के खाते में डाल देना समाधान नहीं है। प्रवाह, ढाल, नदी-तल, सहायक नदियों से आने वाली तलछट, तटों की स्थिति और मानव हस्तक्षेप मिलकर नदी का व्यवहार तय करते हैं। बिहार की नदियां इस जटिलता का जीवंत उदाहरण हैं।

हिमालय से उतरने वाली कोसी, गंडक, बागमती और दूसरी नदियां भारी मात्रा में तलछट लेकर मैदान में आती हैं। आईआईटी कानपुर के प्रो. राजीव सिन्हा के नदी-विज्ञान संबंधी अध्ययनों ने नदी की आकृति, प्रवाह और तलछट के बीच गहरे

संबंध को रेखांकित किया है। नदी का तल स्थिर नहीं है और नदी की धारा भी स्थायी रेखा नहीं है। यही कारण है कि गाद को केवल हटाए जाने वाले पदार्थ के रूप में देखना गलत होगा। लोअर कोसी में सतत गाद प्रबंधन पर हुए अध्ययनों में इसके संभावित उपयोग को संसाधन के रूप में देखने की संभावना सामने आई है। बिहार की नई नीति में निकाली गई गाद के उपयोग का प्रावधान इसी दिशा में है। लेकिन उपयोग से पहले उसकी गुणवत्ता, संरचना और संभावित प्रदूषण की जांच जरूरी है। सुल्तानगंज के कवि सुधीर प्रोग्रामर का सुझाव है कि क्षेत्र से निकाली गई गंगा की गाद का इस्तेमाल प्रस्तावित हवाई अड्डा क्षेत्र में भराव के लिए किया जा सकता है। विचार उपयोगी हो सकता है, लेकिन नदी से गाद निकालने का औचित्य केवल इस आधार पर तय नहीं हो सकता कि उसका इस्तेमाल कहां होगा। गाद की मात्रा, गुणवत्ता, भराव की भू-तकनीकी स्थिरता, भूजल और जलनिकासी पर असर—इन सभी की वैज्ञानिक जांच जरूरी होगी।

प्रागतिशील कृषि मंच के राष्ट्रीय संयोजक किशोर जायसवाल भी अंधाधुंध गाद निकासी के बजाय लक्षित हस्तक्षेप की जरूरत बताते हैं। उनके अनुसार पहले उन हिस्सों की पहचान होनी चाहिए जहां गाद वास्तव में प्रवाह या जलनिकासी में बाधा है। फिर सुरक्षित मात्रा, समय, प्रवाह में संभावित बदलाव और कटाव के जोखिम का आकलन होना चाहिए। संवेदनशील क्षेत्रों में जलवैज्ञानिक और जलगतिकीय मॉडलिंग इस निर्णय का आधार बन सकती है।

नदी को बचाने के लिए उसकी गाद से लड़ना नहीं, उसकी गाद की भाषा समझना जरूरी है। क्योंकि नदी से गाद निकालकर नदी नहीं बचती। नदी तब बचती है जब उसका प्रवाह, तल, तट, जलग्रहण क्षेत्र, जंगल, आर्द्रभूमि और जीवन स्वयं साथ बचे। और यही समझ बिहार की गाद नीति को नदी नीति में बदल सकती है।

—यह लेखक के अपने विचार हैं।

इमोशनल मोमेंट्स

रोना अक्सर कमजोरी, भावुकता या खुद पर नियंत्रण न रख पाने से जोड़कर देखा जाता है। लेकिन वैज्ञानिक नजरिए से देखें तो रोना इंसानी इमोशनल और साइकोलॉजिकल रिसॉर्न्स का हिस्सा है। दुख, तनाव, दर्द, खुशी, डर या किसी गहरे भावनात्मक अनुभव के दौरान आंखों से आंसू आ सकते हैं। असल में रोना को समझने के लिए यह देखना जरूरी है कि



एनसीबीआई के अनुसार इमोशनल होकर रोने को केवल 'दुख

आंसू किस वजह से निकल रहे हैं, व्यक्ति किस इमोशनल स्थिति में है और रोने के बाद उसे सोशल सपोर्ट या इमोशनल रिलीफ मिल रहा है या नहीं। वैज्ञानिक रिव्यूज बताते हैं कि इमोशनली रोने का मूड और स्ट्रेस पर असर हर व्यक्ति में एक जैसा नहीं होता।

—यह लेखक के अपने विचार हैं।

रोना सिर्फ कमजोरी या दुख की निशानी नहीं, सोशल सिग्नल भी देते हैं आंसू

निशाना

इनको हमने नाविक समझा



ब्रजकिशोर पटेल
हृद है लिये बिछौना आये। संसद में भी सोने आये॥ हमने समझा घोड़ा जिनको। वही गधों को ढोने आये॥ मचल रहे ऊँची कुरसी खों। नेता नहीं खिलौने आये॥ हंसा सकेगे क्या जनता को। खुद का रोना रोने आये॥ जितनी चाबी उतना चलते। नेता नहीं खिलौने आये॥ ये क्या जाने प्यार की कीमत। जहर दिलों में बोने आये॥ इनको हमने नाविक समझा। यह तो नाव डुबोने आये॥

टेक्नो - अपडेट

2028 में भारत का पहला अंतरिक्ष डेटा सेंटर, दो सैटेलाइट करेंगे मिलकर काम

अंतरिक्ष अब केवल सैटेलाइट और रॉकेट लॉन्च करने तक सीमित नहीं रहने वाला। दुनिया की बड़ी टेक कंपनियां अब अंतरिक्ष को कंप्यूटिंग और डेटा प्रोसेसिंग के नए ठिकाने के रूप में देख रही हैं। इसी दौड़ में भारत भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। हैदराबाद का स्पेसटेक स्टार्टअप TakeMe2Space वर्ष 2028 के अंत तक भारत का पहला नेटवर्कड ऑर्बिटल डेटा सेंटर मिशन लॉन्च करने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए दो 100-100 किलो के सैटेलाइट SpaceX के Falcon 9 रॉकेट से Waymaker-2 राइडशेयर मिशन के तहत भेजे जाएंगे। **अंतरिक्ष में बन जाएंगी कंप्यूटरों का नेटवर्क:** इस मिशन की खासियत यह है कि दोनों सैटेलाइट अलग-अलग काम करने के बजाय आपस में जुड़कर एक नेटवर्क की तरह काम करेंगे। इनमें Nvidia के GPU, करीब 100 टेराबाइट स्टोरेज और ऑप्टिकल लिंक लगाए जाने की योजना है। कंपनी के अनुसार प्रत्येक सैटेलाइट करीब 1,500 वाट की कंप्यूटिंग क्षमता उपलब्ध करा सकेगा। यानी अंतरिक्ष में पहुंचने के बाद दोनों मिलकर डेटा को प्रोसेस करने और कंप्यूटिंग



वर्कलोड साझा करने में सक्षम होंगे। आज ज्यादातर अर्थ-ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट अंतरिक्ष से बड़ी मात्रा में तस्वीरें और अन्य डेटा इकट्ठा करते हैं और फिर उसे धरती पर भेजते हैं। इसमें समय और बैंडविड्थ दोनों खर्च होते हैं। TakeMe2Space का मॉडल इस प्रक्रिया को बदलने की कोशिश करेगा। सैटेलाइट पहले अंतरिक्ष में ही डेटा का विश्लेषण और प्रोसेसिंग करेंगे और जरूरत के मुताबिक तैयार परिणाम धरती पर भेजेंगे। मिसाल के तौर पर किसी इलाके की हजारों तस्वीरों में से केवल कुछ तस्वीरों में बदलाव या अस्ामान्य गतिविधि हो तो पूरा कच्चा डेटा भेजने की जरूरत नहीं होगी। अंतरिक्ष में मौजूद कंप्यूटर जरूरी जानकारी अलग कर धरती तक पहुंचा सकते हैं। कंपनी का दावा है कि इससे डेटा प्रोसेसिंग का समय काफी कम किया जा सकता है। **Google भी कर रहा परीक्षण:** इस क्षेत्र में भारत अकेला नहीं है। लश्शवद्दह अपने Project Suncatcher के तहत अंतरिक्ष में AI कंप्यूटिंग की संभावनाओं का परीक्षण कर रहा है।

राजस्थान के थार रेगिस्तान की पहचान तपती रेत, तेज गर्मी और दूर-दूर तक फैले मरुस्थल से होती है। लेकिन बाड़मेर के कारतरला गांव की पहचान इससे कहीं अलग है। यहां इंसानों और हिरणों के बीच ऐसा रिश्ता देखने को मिलता है, जो किसी को भी आकर्षित कर सकता है। गांव में पहुंचते ही खुले इलाके में घूमते हिरण नजर आते हैं और खास बात यह है कि वे इंसानों को देखकर भागते नहीं, बल्कि उनके पास तक चले आते हैं।

कातरला में हिरणों को केवल वन्यजीव नहीं, बल्कि परिवार का हिस्सा माना जाता है। कोई घायल हिरण दिखाई दे तो ग्रामीण उसे उसके हाल पर नहीं छोड़ते। उसे सुरक्षित स्थान पर लाया जाता है, जख्मों का उपचार किया जाता है और जब तक वह दोबारा चलने- दौड़ने लायक नहीं हो जाता, उसकी देखभाल की जाती है। यही वजह है कि यहां बड़ी संख्या में हिरण इंसानों के साथ सहज हो चुके हैं। इस अनोखे रिश्ते के पीछे कातरला के युवाओं की पहल भी महत्वपूर्ण है। वर्ष 2020 में गांव के युवाओं ने अमृता देवी वन्यजीव संस्थान की शुरुआत की। इसका उद्देश्य घायल और बीमार वन्यजीवों को बचाना और उनका उपचार करना था। शिकार, आवारा कुत्तों के हमले, बीमारी और सड़क हादसों में घायल होने वाले हिरणों को यहां

लाकर उपचार दिया जाता है। आज इस रेस्क्यू सेंटर में 125 से ज्यादा हिरण हैं। इनका व्यवहार देखकर यह आने वाले लोग भी हैरान रह जाते हैं। हिरण इंसानों के करीब बैठते हैं, उनके हाथ से चना और बाजरा खाते हैं और कई बार दुस्तर पाने के लिए खुद उनके पास पहुंच जाते हैं। सेवादार रमजिजीन के मुताबिक, इन

हिरणों में इंसानों के प्रति डर लगभग नहीं है। कोई व्यक्ति जमीन पर बैठकर उन्हें दाना खिलाए तो वे आराम से उसके पास आकर भोजन करते हैं। यहां आने वाले लोगों के लिए सबसे आकर्षक अनुभव हिरणों के साथ कुछ समय बिताना है। बाड़मेर के अलावा जैसलमेर, जोधपुर, जालौर और प्रदेश के दूसरे हिस्सों से भी लोग इस जगह को देखने पहुंचते हैं। कई लोग हिरणों को दाना खिलाते हुए तस्वीरें और वीडियो बनाते हैं। यही वीडियो सोशल मीडिया पर भी लोगों का ध्यान खींचते हैं। लेकिन कातरला की कहानी सिर्फ हिरणों तक सीमित नहीं है। अमृता देवी वन्यजीव संस्थान में खरगोश, नीलागाय, मोर, कबूतर, कछुए और दूसरे घायल वन्यजीवों का भी उपचार किया जाता है। यानी यह जगह धीरे-धीरे एक ऐसे संरक्षण केंद्र का रूप ले रही है, जहां अलग-अलग प्रजातियों को इंसानी मदद मिल रही है।

टूटे पुल पर मंत्री प्रहलाद पटेल ने घेरा, प्रमुख सचिव बोले

बजट प्रावधान किया है, जल्दी शुरू कराएंगे रोड

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मोहन कैबिनेट की बैठक के दौरान खराब सड़कों को लेकर मंत्री प्रहलाद पटेल ने लोक निर्माण विभाग के काम पर सवाल खड़े कर दिए। मंत्री पटेल ने दमोह कटनी मार्ग को फोरलेन किए जाने के प्रस्ताव के दौरान विभाग की कार्यशैली को घेरते हुए कहा कि गैसाबाद में पुल एक साल से अधिक समय से टूटा हुआ है। इससे लोगों को परेशानी हो रही है। इस पुल के टूटने से वाहनों को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की सड़कों से गुजरना पड़ता है और भारी वाहनों के कारण ये सड़कें भी टूट रही हैं। मंत्री प्रहलाद पटेल के सवाल उठाने पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि विभाग इसे देखे। इस पर लोक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव सुखवीर सिंह ने

कहा कि यह पुल जल्दी ही चालू कराने की तैयारी है।

इसके लिए विभाग ने बजट का प्रावधान कर रखा है और प्रायरीटी के आधार पर जल्दी ही काम पूरा कराकर चालू किया जाएगा। मंत्री पटेल ने कहा कि पुल टूटे हुए एक साल से अधिक समय हो चुका है। पटेल ने यहां तक कहा कि आखिर क्या कर रहे हैं? इसकी ओर ध्यान देना चाहिए। इस पर सीएम यादव ने इसे जल्दी ठीक कर आवागमन चालू कराने के लिए कहा गया। बताया जाता है कि इस दौरान यह बात भी सामने आई है कि इस मार्ग का पुल टूटने के बाद स्थानीय जनो द्वारा बाजार भी बंद कर विरोध किया जा चुका है। इसके अलावा शहपुरा मार्ग के पुल को लेकर भी कैबिनेट में चर्चा की गई है जिसका काम अधूरा है।



जनहित याचिका भी लगा चुके हैं परेशान लोग

बताया जाता है कि पन्ना-दमोह-गैसाबाद मार्ग और पुल को बदहाली को लेकर जबलपुर हाईकोर्ट में जनहित याचिका भी दायर की गई है, जिसमें जल्द समाधान की मांग की गई है लेकिन सरकार एक साल बीतने के बाद भी इसे ठीक नहीं कर पाई है। इस पुल पर आवागमन बंद होने से सात माह पूर्व सेमरिया और आसपास के नाराज ग्रामीणों ने पुल पर ही घरना देकर नारेबाजी की थी और प्रशासन से तुरंत रास्ता खोलने की मांग की थी। तब यह बात सामने आई थी कि जर्जर पुल के बगल में ही एक नया पुल बनकर तैयार खड़ा है, लेकिन पिछले दो साल से प्रशासन इसकी एप्रोच रोड नहीं बना पाया है।

सीमा में फंसे होने के कारण अटका काम

दो जिलों की सीमा में फंसे होने के कारण इस पुल का काम अटका हुआ है, जिसका खामियाजा गैसाबाद की जनता भुगत रही है। लोगों का कहना है कि अगर पक्की सड़क बना दी जाती, तो उन्हें इस परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता। इस मामले में दमोह के पूर्व कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने जनता की परेशानी के लिए तब माफी भी मांगी थी लेकिन सुरक्षा कारणों से आवागमन को बंद रखना जरूरी बताया था।

देश के ‘प्रगति-50’

शहरों में शामिल हुए इंदौर भोपाल और उज्जैन

भोपाल। स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के अंतर्गत शहरी स्वच्छता, सैनिटेशन एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में देश के चयनित 50 शहरों को मॉडल शहर के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा प्रारंभ की गई प्रगति-50 पहल में मध्यप्रदेश के भोपाल एवं उज्जैन शहरों का चयन किया गया है। चयनित शहरों में स्वच्छता, सैनिटेशन, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन तथा नागरिक सहभागिता के क्षेत्र में समयबद्ध एवं परिणाम आधारित कार्यों को गति दी जाएगी। प्रगति-50 पहल के संबंध में आज आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में मध्यप्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ऑनलाइन शामिल हुए। नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त श्री संकेत भोंडवे सहित विभागीय अधिकारी एवं संबंधित नगरीय निकायों के अधिकारी भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सहभागिता की। बैठक में स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के अंतर्गत नई पहलों, तकनीकी नवाचारों तथा प्रगति-50 शहरों में स्वच्छता के परिणामों को गति देने के लिए निगरानी एवं क्रियान्वयन व्यवस्था पर चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कलेक्टरों और एसपी को दिए निर्देश

यात्रियों के लिए जिलों में बने अच्छे बस स्टैंड , यात्री सुविधाएं बढ़ाई जाएं

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने के लिए मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा की शुरुआत की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश के नागरिकों को बेहतर और व्यवस्थित यात्री परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू की गई इस सेवा का आने वाले वर्षों में व्यापक विस्तार किया जाएगा। फिलहाल प्रदेश में 351 इंटरसिटी और इंट्रासिटी बसों का संचालन शुरू किया गया है। सरकार ने वर्ष 2031 तक 14,981 बसों के संचालन का लक्ष्य निर्धारित किया है।

2005 में बंद हुआ था राज्य परिवहन निगम- मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में वर्ष 2005 में राज्य परिवहन निगम बंद कर दिया गया था। अब नागरिकों को बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने के लिए नई व्यवस्था विकसित की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा में पूर्व से संचालित फिट बसों का भी उपयोग किया जा रहा है। इसलिए नागरिक भ्रमपूर्ण जानकारी पर विश्वास न करें। मुख्यमंत्री मंत्रालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दे रहे थे। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सेवा के संचालन में स्थानीय प्रशासन यात्रियों और बस ऑपरेटरों को आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराए।



बस डिपो और बंद स्टैंड होंगे उपयोगी

डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि जिन स्थानों पर बस डिपो या टर्मिनल बंद पड़े हैं, वहां स्वच्छता अभियान चलाकर उन्हें दोबारा उपयोगी बनाया जाए। बैठक तथा यात्रियों के लिए जरूरी सुविधाएं विकसित की जाएं। जिन स्थानों पर बस स्टॉप या बस स्टैंड समाप्त हो चुके हैं, वहां भूमि उपलब्ध कराकर नई सुविधा विकसित की जाए। उन्होंने बसों के व्यवस्थित और अनुशासित संचालन पर भी जोर दिया। निजी बस ऑपरेटरों की फिटनेस, परमिट की शर्तों, ड्राइवर के संचालन और

यात्रियों के साथ व्यवहार की नियमित जांच के लिए मजिस्ट्रेट और पुलिस अधिकारियों के माध्यम से निरीक्षण व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि बसों के निर्बाध संचालन के लिए थाना पुलिस और ट्रैफिक पुलिस का आवश्यक सहयोग सुनिश्चित किया जाए। जिला स्तरीय परिवहन सलाहकार समितियों की नियमित बैठकें आयोजित हों। कलेक्टर प्रत्येक सप्ताह क्षेत्रीय कंपनी के कार्यकारी निदेशक से चर्चा करें।

तीन प्रमुख स्तंभों पर आधारित होगी सेवा

परिवहन सचिव मनीष सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के तीन प्रमुख स्तंभ हैं—बस संचालन, इंटीलिजेंट ट्रांसपोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) और इंफ्रास्ट्रक्चर। प्रदेश में यात्री संख्या और रूट सर्वे के आधार पर परिवहन आवश्यकताओं का आकलन किया गया है। योजना के अनुसार प्रदेश के सात क्षेत्रों में 3,636 मार्गों पर 13,006 बसों की व्यवस्था प्रस्तावित है। इसका चरणबद्ध विस्तार किया जाएगा और वर्ष 2031 तक बसों की संख्या बढ़ाकर 14,981 करने का लक्ष्य है।

प्रदेश में फिलहाल शुरू हो चुकी हैं 351 बसें

आईटीएमएस और यात्री एप से मिलेगी सुविधा

सेवा में आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। आईटीएमएस के माध्यम से बस संचालन और परिवहन व्यवस्था को बेहतर ढंग से मॉनिटर करने की योजना है। यात्री एप के जरिए अपनी यात्रा को बेहतर तरीके से प्लान कर सकेंगे। राज्य परिवहन उपक्रम के लिए भोपाल में कार्यालय की व्यवस्था की गई है। अगले तीन महीनों में भोपाल, इंदौर, उज्जैन और सागर में क्षेत्रीय सहायक कंपनियों के लिए कार्यालय भवन उपलब्ध कराने की तैयारी है। जबलपुर, रीवा और ग्वालियर में भी कार्यालयों की व्यवस्था की जा रही है। सेवा के लिए स्वीकृत 1,190 पदों में से 400 पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करने की जानकारी भी दी गई है।

3 अक्टूबर को भोपाल आएंगे अमित शाह



सीएम मोहन ने तैयारियों को दी धार, जिम्मेदारों को दिए निर्देश डेयरी क्षेत्र को मिलेंगी सौगातें

भोपाल, दोपहर मेट्रो

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह 3 अक्टूबर को मध्य प्रदेश के दौरे पर भोपाल आएंगे। उनके प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रालय में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबंधित जिलों के अधिकारियों को भी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूरी करने के निर्देश दिए हैं। कार्यक्रम में प्रदेशभर से 35 हजार से अधिक गोपालक और दुग्ध सहकारी समितियों के सदस्य शामिल होंगे।

अमित शाह भोपाल के भेल दशहरा मैदान में आयोजित राज्यस्तरीय गोपालक सम्मेलन को संबोधित करेंगे। सम्मेलन स्थल पर न्याय संहिता केंद्रित राज्यस्तरीय प्रदर्शनी का उद्घाटन और अवलोकन भी करेंगे। कार्यक्रम में अतिथियों और नागरिकों के लिए बैठक, पेयजल, स्वच्छता, सुरक्षा सहित अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

डेयरी क्षेत्र को मिलेंगी कई सौगातें

प्रस्तावित कार्यक्रम के तहत केंद्रीय मंत्री प्रदेश में दुग्ध संयंत्र, डेयरी प्रसंस्करण केंद्र और गुणवत्ता जांच प्रयोगशालाओं से जुड़ी परियोजनाओं की सौगात देंगे। इनमें उज्जैन में 255 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला डेयरी प्लांट और भोपाल में फर्मेंटेड उत्पाद दूध प्लांट प्रमुख हैं। इसके साथ ही भोपाल पश्चिमी बायपास का भूमि पूजन भी प्रस्तावित है। अमित शाह भोपाल और इंदौर दुग्ध संघ से जुड़े पशुपालकों को बोनस राशि वितरित करेंगे। गौशालाओं को सहायता राशि देने के साथ गोपालक दीर्घियों का सम्मान किया जाएगा और डॉ. भीमराव आंबेडकर कामधेनु योजना के स्वीकृति पत्र वितरित किए जाएंगे। दौरे के दौरान शाह भोपाल बायपास-भौरी के पास आईआईएसईआर परिसर का शिलान्यास करेंगे। परिसर में स्थापित स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा का अनावरण भी किया जाएगा। कार्यक्रम में कुषक कल्याण वर्ष और बलराम कृष्ण महोत्सव की गतिविधियों की जानकारी दी जाएगी।

एमपी में जल्द शुरू होंगे 4 नए रेलवे स्टेशन!

पीथमपुर, सागौर, गुणावद और धार तक पहुंचेगी रेल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश के मालवा-निमाड़ क्षेत्र में रेल संपर्क विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है। इंदौर-दाहोद रेल परियोजना के तहत टीही से धार के बीच 46 किलोमीटर लंबे रेलखंड का निर्माण कार्य अंतिम चरण में पहुंच गया है। इस रेल मार्ग के शुरू होने से पीथमपुर, सागौर, गुणावद और धार को पहली बार रेल सुविधा मिलने का रास्ता साफ होगा। इससे औद्योगिक क्षेत्रों के साथ ग्रामीण अंचलों के लोगों को भी आवागमन में सुविधा मिलेगी। लंबे समय से रेल संपर्क का इंतजार कर रहे धार जिले के लोगों को भी बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। रेलवे निर्माण विभाग ने इस रेलखंड



और चारों नए रेलवे स्टेशनों के निरीक्षण के लिए रेल संरक्षा आयुक्त को पत्र भेजा है। इसमें 28 और 29 अक्टूबर को निरीक्षण की तारीख प्रस्तावित की गई है।

निरीक्षण के बाद रेल संरक्षा आयुक्त की स्वीकृति मिलने पर इस मार्ग पर यात्री रेलगाड़ियों के संचालन का रास्ता खुलेगा। इसके बाद रेलवे प्रशासन

समय-सारणी जारी करेगा। हालांकि, रेलगाड़ियों का संचालन स्वीकृति और रेलवे की आगामी तैयारियों पर निर्भर करेगा।

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कई बार इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से होने वाले भुगतान असफल हो जाते हैं। इस राशि की वापसी के लिए वित्त विभाग ने मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) निर्धारित कर दी है। प्रत्येक असफल ई-भुगतान की राशि संबंधित बैंडर या कर्मचारी के विवरण के साथ असफल ई-भुगतान के नाम से अलग खाते में दर्ज की जाएगी। आहरण एवं सवितरण अधिकारी (डीडीओ) को मामलों का सत्यापन कर संबंधित राशि के पुनर्भुगतान की प्रक्रिया शुरू करनी होगी। असफल भुगतान की राशि की वापसी के लिए 365 दिनों की समय-सीमा निर्धारित की गई है। वहीं,

अधिकारियों की तय हुई जवाबदेही

किसी एक बैंडर या कर्मचारी से संबंधित असफल ई-भुगतान की राशि किसी दूसरे बैंडर या कर्मचारी के खाते में स्थानांतरित नहीं की जाएगी। साथ ही यदि पूर्व में किसी अन्य माध्यम से राशि वापस हो चुकी हो, तो दोहरे भुगतान की स्थिति नहीं बनने देने की जिम्मेदारी संबंधित आहरण एवं सवितरण अधिकारी की होगी।

विभागाध्यक्ष अथवा बजट नियंत्रण अधिकारी के स्तर पर इसके निराकरण की अधिकतम अवधि 730 दिन रखी गई है। वित्त विभाग द्वारा जारी निर्देश के अनुसार डीडीओ को असफल संव्यवहारों का सत्यापन, बैंक खातों का विवरण अद्यतन करने और पुनर्भुगतान के लिए एमपीटीसी-31 में देयक प्रस्तुत करने की जिम्मेदारी दी गई है। 365 दिन बाद भी

मामला लंबित रहने पर संबंधित विभागाध्यक्ष या बजट नियंत्रण अधिकारी को देरी का कारण दर्ज करते हुए ई-फाइल के माध्यम से प्रस्ताव भेजना होगा। यदि 730 दिनों की अवधि में असफल ई-भुगतान की राशि वापस नहीं कराई जाती और राशि फ्रीज रहती है तो उसे राजस्व प्राप्ति मद में जमा करने की प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

एक महीने के लिए बढ़ा सरचार्ज

एमपी में बिजली बिल पर फिर बड़ा बोझ, अब हर यूनिट 4 पैसे ज्यादा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में बिजली उपभोक्ताओं को अब एक बार फिर ज्यादा बिल चुकाना पड़ेगा। मप्र पाँवर मैनेजमेंट कंपनी ने फ्यूल एवं पावर परचेज एडजस्टमेंट सरचार्ज (एफपीपीएस) की दर बढ़ा दी है। 24 सितंबर 2026 से अगले एक महीने के लिए वित्त विभाग ने मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) निर्धारित कर दी है। इससे बिजली की प्रति यूनिट लागत पर करीब चार पैसे का अतिरिक्त भार पड़ेगा। एफपीपीएस का असर घरेलू सहित बिजली की अन्य श्रेणियों के उपभोक्ताओं पर भी होगा। यह सरचार्ज ऊर्जा शुल्क के आधार पर लगाया जाता है और बिजली बिल में अलग से जोड़ा जाता है।

ईंधन और बिजली खरीद की लागत से तय होता है सरचार्ज

एफपीपीएस बिजली उत्पादन में इस्तेमाल होने वाले ईंधन और बिजली खरीद की वास्तविक लागत में होने वाले बदलाव की भरपाई के लिए लगाया जाता है। मप्र विद्युत नियामक आयोग के नियमों के अनुसार इसकी गणना हर महीने की जाती है। लागत में बदलाव के आधार पर सरचार्ज की दर घट या बढ़ सकती है। वितरण कंपनियों को एफपीपीएस की गणना और वसूली से जुड़ी जानकारी सार्वजनिक करने के साथ ही बिजली बिल में इसे अलग से दर्शाना होता है।

मेट्रो एंकर

सिंहरथ के लिए एनएसजी की तर्ज पर तैयार होंगे 250 कमांडो

200 करोड़ की लागत से बनेगा काउंटर टेररिज्म ट्रेनिंग सेंटर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

वर्ष 2028 में उज्जैन में होने वाले सिंहस्थ से पहले मध्य प्रदेश पुलिस नेशनल सिक्युरिटी गार्ड की तर्ज पर 250 कमांडो तैयार करेगी। कमांडो को भोपाल के तूमड़ा में प्रस्तावित काउंटर टेररिज्म ट्रेनिंग सेंटर में विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके बाद सिंहस्थ में सुरक्षा ड्यूटी में लगाया जाएगा। केंद्र बनाने के लिए शासन से सैद्धांतिक सहमति मिल चुकी है। करीब 200 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस केंद्र की डीपीआर तैयार की जा चुकी है। वित्तीय वर्ष 2027-28 के राज्य सरकार के बजट में इसके लिए राशि का प्रावधान किए जाने



की तैयारी है। प्रस्तावित केंद्र को एनएसजी के मानस और आंध्र प्रदेश-तेलंगाना के ग्रेहाउंड प्रशिक्षण केंद्रों की तर्ज पर विकसित करने की योजना है। मध्य प्रदेश पुलिस की टीमें इन दोनों प्रशिक्षण केंद्रों का दौरा भी कर चुकी हैं।

इन 250 कमांडो की उपयोगिता सिंहस्थ के बाद भी बनी रहेगी। सिंहस्थ समाप्त होने के बाद 200 कमांडो के इंदौर, भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर में 50-50 की संख्या में स्थायी रूप से पदस्थ किया जाएगा। शेष 50 कमांडो

एटीएस, एसटीएफ और एसएएफ को भी मिलेगा प्रशिक्षण

प्रस्तावित केंद्र में केवल नए कमांडो को ही प्रशिक्षण नहीं दिया जाएगा। यहां पुलिस की विशेष इकाइयों की प्रशिक्षण क्षमता बढ़ाने की योजना है। एटीएस, एसटीएफ, एसएएफ की क्रिक रिसांस टीम और कमांडो के अलावा जिला पुलिस की विशेष इकाइयों के जवानों को भी प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे आतंकवाद विरोधी कार्रवाई के लिए अलग-अलग इकाइयों के बीच बेहतर समन्वय की क्षमता विकसित की

जा सकेगी। तूमड़ा में प्रस्तावित सेंटर को स्टेट ऑफ आर्ट प्रशिक्षण केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। यहां एक समय में 100 जवानों को प्रशिक्षण देने की सुविधा रहेगी। आतंकवाद और उग्रवाद विरोधी अभियानों के अलावा आपात स्थिति और गंभीर सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। जरूरत पड़ने पर दूसरे राज्यों की पुलिस को भी यहां प्रशिक्षण देने की व्यवस्था की जा सकेगी।

तूमड़ा के प्रशिक्षण केंद्र में रहेंगे। किसी बड़े आतंक हमले, उग्रवादी गतिविधि या गंभीर सुरक्षा चुनौती की स्थिति में इन टीमों को संबंधित स्थान पर भेजा जा सकेगा। तूमड़ा का केंद्र मध्य भारत में अपनी तरह का प्रमुख प्रशिक्षण संस्थान

होगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी केंद्र की घोषणा करते हुए कहा था कि मध्य प्रदेश को देश के मध्य में स्थित होने के कारण यह संस्थान राष्ट्रीय सुरक्षा क्षमता मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

न्यूज विंडो

अंकुर विद्यालय परिसर में दिखे तेंदुए को पकड़ने के लिए लगाया पिंजरा



नर्मदापुरम/इटारसी। ऑर्डनेंस फैक्ट्री परिसर में तेंदुआ नजर आने के बाद वन विभाग ने उसे सुरक्षित पकड़ने की तैयारी तेज कर दी है। फैक्ट्री प्रबंधन की अनुमति के बाद अंकुर विद्यालय और अस्पताल परिसर के आसपास पिंजरा लगाया गया। तेंदुए को आकर्षित करने के लिए पिंजरे में बकरा रखा गया है। करीब डेढ़ साल का तेंदुआ सोमवार को अंकुर विद्यालय और रविवार को नागपुर कला गांव में दिखाई दिया था। वन विभाग के रेंजर अभिषेक शर्मा ने बताया कि कैमरा ट्रैप से उसकी गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। लोकेशन मिलते ही सुरक्षित रेस्क्यू किया जाएगा।

भगत सिंह की जयंती पर गूंजा देशभक्ति का संदेश, नशे से दूर रहने का आह्वान



तेन्दूखेड़ा। भगवती मानव कल्याण संगठन शाखा तेंदूखेड़ा सेक्टर सर्रां के कार्यकर्ताओं ने ग्राम बिसनाखेड़ी में शहीद-ए-आजम सरदार भगत सिंह की जयंती मनाई। ग्राम के वरिष्ठजनों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया। वक्ताओं ने भगत सिंह के साहस, देशभक्ति और बलिदान को याद करते हुए कहा कि उनकी वीरता युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। कार्यक्रम में युवाओं से नशे से दूर रहकर राष्ट्रहित में सकारात्मक भूमिका निभाने का आह्वान किया गया। वक्ताओं ने अन्याय, भ्रष्टाचार और सामाजिक बुराईयों के खिलाफ आवाज उठाने की बात कही। कार्यक्रम का संचालन पुष्पेंद्र सेन ने किया।

ग्रीन बेल्ट में गई मालीवाड़ा की जमीन लोग बोले- आवासीय क्षेत्र में करें शामिल



धार। मालीवाड़ा क्षेत्र की निजी जमीनों को मास्टर प्लान में ग्रीन बेल्ट और कंजर्वेशन जोन में शामिल किए जाने के विरोध में सकल पंच फूल माली समाज के सैकड़ों लोगों ने जिला जनसुनवाई में कलेक्टर राजीव रंजन मीना को ज्ञापन सौंपा। समाज ने जमीनों को प्रतिबंधित जोन से बाहर कर आवासीय क्षेत्र में शामिल करने की मांग की। प्रतिनिधियों ने कहा कि क्षेत्र में कई परिवारों की पुस्तैनी जमीनें हैं, जिन पर खेती और छोटे व्यवसाय निर्भर हैं। ग्रीन बेल्ट में रहने से निर्माण और बैंक लोन में परेशानी की आशंका जताई। कलेक्टर ने मामले की जांच कराने का आश्वासन दिया।

बृजेश को राष्ट्रीय जिम्मेदारी मिली राठौर महासभा के बने उपाध्यक्ष



गंजबासौदा। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में अखिल भारतीय क्षत्रिय राठौर महासभा का राष्ट्रीय शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हुआ। इसमें गंजबासौदा, जिला विदिशा के बृजेश राठौर ने महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद की शपथ ली। समारोह में राष्ट्रीय अध्यक्ष रामविलास राठौर सहित महासभा के पदाधिकारी और समाजजन मौजूद रहे। बृजेश राठौर को नई जिम्मेदारी मिलने पर क्षेत्र के समाजजनों ने शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में समाज की एकता, संगठन विस्तार, युवाओं को आगे बढ़ाने और शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर चर्चा हुई।

मेट्रो एंकर गुजरात के यात्रा प्रभारी बोले- मध्यप्रदेश में मिला अपनों जैसा स्नेह, युवाओं से राष्ट्र निर्माण में जुटने का आह्वान

पुष्पवर्षा और बैड-बाजे से गूंजा तेंदूखेड़ा, सेवा संकल्प यात्रा का भव्य स्वागत

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सेवा संकल्प अभियान के तहत वडनगर से वाराणसी तक निकाली जा रही पावन कलश वंदन यात्रा तेंदूखेड़ा पहुंची। यात्रा के जंबेरा विधानसभा क्षेत्र में प्रवेश पर झमरा, तारादेही, समनापुर, धनगौर और चौरई सहित विभिन्न स्थानों पर बाइक सवारों का बैड-बाजे और पुष्पवर्षा से स्वागत किया गया।

झमरा में मध्यप्रदेश शासन के मंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने यात्रा में शामिल बाइक सवारों का स्वागत किया। शाम को विद्यासागर सदन में सेवा संवाद कार्यक्रम आयोजित हुआ। मंत्री लोधी ने युवाओं की भूमिका पर जोर देते



हुए सेवा, अनुशासन और सामाजिक दायित्वों के साथ राष्ट्र निर्माण में सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया। गुजरात युवा मोर्चा के यात्रा प्रभारी कुलदीप जडेजा ने मध्यप्रदेश में मिल रहे स्वागत और अपनत्व के लिए आभार

जताया। उन्होंने कहा कि यहां मिले स्नेह से ऐसा महसूस हो रहा है, जैसे वे अपने गृह प्रदेश गुजरात में हों। अभियान के तहत बुधवार को 27 मील पर पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया जाएगा। शाम

को भजन संध्या भी आयोजित की गई। अभियान का उद्देश्य सेवा, जनभागीदारी और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी गतिविधियों के माध्यम से सामाजिक सहभागिता का संदेश देना है।

यूजीसी की समानता नियमावली 2026 के विरोध में सर्व समाज ने निकाली रैली, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन



गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

यूजीसी की समानता नियमावली 2026 के विरोध में मंगलवार को सर्व समाज संघ के आह्वान पर विभिन्न समाजों के लोगों ने रैली निकाली। मां शीतला शक्ति धाम मंदिर से शुरू हुई रैली तहसील परिसर पहुंची, जहां एसडीएम अनुभा जैन को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा गया। प्रदर्शन में महिला, पुरुष, युवा और विभिन्न समाजों के प्रतिनिधि शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने नियमावली के विरोध में नारे लगाते हुए इसे वापस लेने की मांग की। ज्ञापन में कहा गया

कि किसी शिकायत पर पूरी जांच के बिना किसी व्यक्ति को दोषी नहीं माना जाना चाहिए। आरोपित को अपना पक्ष रखने, साक्ष्य प्रस्तुत करने और अपील का अवसर मिलना चाहिए। संघ ने जांच प्रक्रिया पारदर्शी और समयबद्ध रखने तथा झुठी शिकायतों पर कार्रवाई की मांग भी की। इसके साथ ही जातीय पहचान के आधार पर भेदभाव रोकने, विद्यार्थियों के लिए समान न्याय व्यवस्था लागू करने और आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति व कॉचिंग सुविधाएं बढ़ाने की मांग रखी गई।

एक पेड़ पितरों के नाम, एमएलबी विद्यालय में किया पौधरोपण



नरसिंहपुर। पितृपक्ष के अवसर पर पीएम श्री शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उमावि में 'एक पेड़ पितरों के नाम' अभियान के तहत कदम का पौधा रोपा गया। प्राचार्य गायत्री सोनी व शिक्षिकाओं ने पौधरोपण कर संरक्षण का संकल्प लिया। उन्होंने विद्यार्थियों को पौधे लगाने और उनकी देखभाल के लिए प्रेरित किया।

प्लास्टिक से तौबा, हरियाली से नाता, विद्यार्थियों ने ली शपथ



नरसिंहपुर। सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले के विभिन्न विद्यालयों में प्लास्टिक मुक्त पर्यावरण को लेकर जागरूकता कार्यक्रम हुए। विद्यार्थियों ने एकल उपयोग प्लास्टिक से दूरी, कचरे के उचित निपटान और स्वच्छ वातावरण का संकल्प लिया। पोस्टर-चित्रकला के जरिए भी जागरूकता संदेश दिया गया। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने प्रेरित किया।

एसआईआर पर कांग्रेस का विरोध, आज होगा पुतला दहन

नर्मदापुरम। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर कांग्रेस ने विरोध प्रदर्शन का ऐलान किया है। जिला और नगर कांग्रेस के संयुक्त तत्वावधान में आज शाम 4:30 बजे मौनाक्षी चौक पर प्रदर्शन और पुतला दहन होगा। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि प्रक्रिया में बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। उन्होंने पात्र मतदाताओं के नामों की निष्पक्ष जांच और पुनः जोड़ने की मांग की। जिला अध्यक्ष शिवाकांत गुड्डन पांडेय, नगर अध्यक्ष कमलेश बाथरे सहित पदाधिकारियों ने कार्यकर्ताओं से प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की। निर्वाचन आयोग के अनुसार एसआईआर-2026 के तहत मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया संचालित है।

नर्मदा किनारे जुआ फड़ के वीडियो वायरल पुलिस को सर्चिंग में नहीं मिले जुआरी

दिन में नदी किनारे तो रात में तिरपाल की झोपड़ी में जुआ खेलने का दावा, वीडियो की जगह की पुष्टि में जुटी पुलिस

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

नर्मदा नदी किनारे जुआ खेलने के दो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस सक्रिय हो गई है। वायरल वीडियो माखननगर थाना क्षेत्र के ग्राम ढाना के पास आमखेड़ी रेत खदान और एक खेत से जुड़े बताए जा रहे हैं। हालांकि, पुलिस ने अभी वीडियो के स्थान और घटनाक्रम की पुष्टि नहीं की है।

वायरल एक वीडियो में नर्मदा किनारे कुछ लोग बैठे दिखाई दे रहे हैं। उनके पास ताश के पत्ते, नोटों की गड्डियां और शराब की बोतलें नजर आ रही हैं। दूसरे वीडियो में रात के समय तिरपाल की झोपड़ी में करीब 8 से 10 लोग जुआ खेलते दिखाई दे रहे हैं। उनके पास भी नकदी रखी नजर आ रही है। सूत्रों के अनुसार, नर्मदा किनारे और आसपास के खेतों में जुआ फड़



संचालित होने की जानकारी सामने आई है। यह भी दावा किया जा रहा है कि दूसरे शहरों से लोग यहां जुआ खेलने पहुंचते हैं। कुछ लोग अपने

वाहन सीहोर जिले के नांदनेर गांव में खड़े कर नाव से नर्मदा पार कर ढाना की ओर पहुंचते हैं। पुलिस इन दावों का सत्यापन कर रही है।

एसपी के निर्देश पर सोहागपुर एसडीओपी अरविंद शाह और माखननगर थाना प्रभारी कंचन सिंह ठाकुर के नेतृत्व में माखननगर और सीहोर पुलिस की संयुक्त टीम ने नांदनेर, ढाना और आमखेड़ी रेत खदान क्षेत्र में सर्चिंग की। मौके पर न तो कोई जुआरी मिला और न ही जुआ खेलने की सामग्री बरामद हुई।

एसपी अभिषेक राजन ने बताया कि वीडियो के स्थान की अभी पुष्टि नहीं हुई है। सटिंघ क्षेत्रों में पुलिस टीम भेजकर सत्यापन कराया जा रहा है। जुआ संचालित होना पाए जाने पर संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

रैली निकालकर एनसीसी कैडेट्स ने दिया प्लास्टिक मुक्त भारत का संदेश



नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

विकसित भारत के अंतर्गत संचालित सेवा संकल्प अभियान के तहत शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर के एनसीसी कैडेट्स ने प्लास्टिक मुक्त भारत का संदेश जन-जन तक पहुंचाने जागरूकता रैली निकाली। रैली में कैडेट्स ने पोस्टर और प्रेरक नारों के माध्यम से प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के प्रति नागरिकों को जागरूक किया।

जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा के निर्देशन तथा विकासखंड शिक्षा अधिकारी ब्रजेश शर्मा, प्राचार्य राजीव किशोर श्रीवास्तव और सेवा संकल्प अभियान के जिला नोडल अधिकारी विक्रम शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित रैली का नेतृत्व एनसीसी फर्स्ट ऑफिसर ए.आर. राव ने किया। कैडेट्स ने अनुशासनबद्ध

तरीके से रैली निकालते हुए 'प्लास्टिक मुक्त भारत-स्वच्छ एवं स्वस्थ भारत' का संदेश दिया। उन्होंने लोगों से सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग कम करने और प्लास्टिक कचरे का उचित निपटान करने की अपील की। रैली के दौरान पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों ने नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। साथ ही कैडेट्स ने स्वच्छ, स्वस्थ और पर्यावरण-अनुकूल भारत के निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का संकल्प लिया। आयोजन ने विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी और सामाजिक जागरूकता की भावना को भी मजबूत किया।

कार्यालय, राज्य वित्त आयोग

मंत्रालय, वल्लभ भवन भोपाल (म.प्र.)
भोपाल, दिनांक-28/09/2026
अध्यक्ष, राज्य वित्त आयोग के विशेष सहायक/सलाहकार हेतु विज्ञप्ति
मध्यप्रदेश शासन वित्त विभाग में संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार गठित राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष, के निजी स्थापना में 01 विशेष सहायक/सलाहकार के प्रतिनियुक्ति/सविदा के पद स्वीकृत है। इस पद पर योग्य व्यक्ति की नियुक्ति करने की आवश्यकता है।
इच्छुक उम्मीदवार, पात्रता निर्धारण की शर्तें एवं भरे जाने वाले आवेदन प्रपत्र को राज्य वित्त आयोग के आधिकारिक वेबसाईट Http://sfc.mp.gov.in/ से डाउनलोड कर सकते हैं। सम्पूर्ण रूप से भरे हुये आवेदन पत्र को दिनांक 13.10.2026 को अपराह्न 3:00 बजे तक या उसके पहले तक मंत्रालय (VB-1) स्थित राज्य वित्त आयोग के कार्यालय के कक्ष क्र. 302-C, मंत्रालय भोपाल में रजिस्टर्ड डाक/व्यक्तिगत रूप से जमा किये जा सकते हैं।
राज्य वित्त आयोग उपरोक्तानुसार प्राप्त होने वाले आवेदनों को बिना कारण स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखते हैं।

सदस्य सचिव, राज्य वित्त आयोग, मंत्रालय, भोपाल

G-19194/26

रोहित ने खोला विराट संग रिश्ते का राज, बोले-

‘हम आज भी एक-दूसरे से खेल पर करते हैं बात’

आइची, नागोया, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट के दो दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली की दोस्ती और मैदान के बाहर की बॉन्डिंग लंबे समय से क्रिकेट प्रशंसकों के बीच चर्चा का विषय रही है। दोनों ने लगभग एक ही दौर में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखा और वर्षों तक भारतीय टीम के लिए साथ खेलते हुए कई यादगार मुकाबलों का हिस्सा रहे। अब पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने विराट कोहली के साथ अपने रिश्ते को लेकर खुलकर बात की है। रोहित ने बताया कि लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर के बावजूद दोनों के बीच आपसी समझ और सम्मान आज भी कायम है। दोनों खिलाड़ी अपने खेल को बेहतरीन बनाने के लिए एक-दूसरे से बातचीत करते हैं और बल्लेबाजी से जुड़ी अपनी राय भी साझा करते हैं।



‘हमारे बीच है मजबूत बॉन्डिंग’

रोहित के मुताबिक, दोनों खिलाड़ियों की बल्लेबाजी की शैली अलग जरूर है, लेकिन इससे उनकी आपसी समझ पर कोई असर नहीं पड़ा। उन्होंने विराट के बारे में कहा कि वह आज भी उसी तरह क्रिकेट खेलते हैं और उनका मुख्य उद्देश्य टीम इंडिया के लिए रन बनाना और मुकाबले जीतना है। रोहित ने यह भी कहा कि कप्तानी के दौरान विराट का रवैया जैसा था, अब भी उनके खेल में उस मूल भावना में कोई बदलाव नहीं आया है। उनके लिए टीम के लिए योगदान देना और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना आज भी महत्वपूर्ण है।

करीब दो दशक से साथ निभा रहे हैं

रोहित शर्मा ने 2007 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था, जबकि विराट कोहली ने 2008 में टीम इंडिया के लिए अपना पहला मैच खेला। इस तरह दोनों का अंतरराष्ट्रीय करियर करीब दो दशक पुराना हो चुका है। दोनों ने भारतीय टीम की कप्तानी भी संभाली और अलग-अलग दौर में टीम को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रोहित ने जियोस्टार से बातचीत में कहा कि दोनों ने लगभग एक ही समय में शुरुआत की थी। इतने लंबे समय तक शीर्ष स्तर पर क्रिकेट खेलने के कारण दोनों अच्छी तरह समझते हैं कि इस स्तर पर बने रहने के लिए कितनी मेहनत और तैयारी की जरूरत होती है।

भारत-वेस्टइंडीज के बीच दूसरा वनडे मुकाबला आज

विराट कोहली के बल्ले पर टिकी रहेंगी नजरें, तेज गेंदबाजी की अग्निपरीक्षा

गुवाहाटी, एजेंसी

वेस्टइंडीज के खिलाफ आज को होने वाले दूसरे वनडे में भारतीय टीम के सामने जीत की लय कायम रखने के साथ तेज गेंदबाजी संयोजन को परखने की चुनौती होगी। पहले मुकाबले में विराट कोहली और शुभमन गिल के शानदार शतकों ने 296 रन के लक्ष्य को बेहद आसान बना दिया था। अब गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले मुकाबले में सबसे ज्यादा नजरें एक बार फिर विराट कोहली पर रहेंगी। मैच दोपहर ढाई बजे से खेला जाएगा।

तिरुवनंतपुरम में खेले गए पहले वनडे में कोहली ने अपने पुराने अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए महज 74 गेंदों में शतक जड़ दिया था। इस पारी के साथ उन्होंने वनडे क्रिकेट में 15 हजार रन भी पूरे किए और सचिन तेंदुलकर के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज बने। कोहली की शानदार फॉर्म ने दूसरे वनडे को लेकर उत्सुकता और बढ़ा दी है। गुवाहाटी का मैदान भी कोहली के लिए खास रहा है। जनवरी 2023 में उन्होंने इसी मैदान पर श्रीलंका के खिलाफ अपना 45वां वनडे शतक लगाया था। ऐसे में एक बार फिर उनकी बल्लेबाजी पर सभी की निगाहें होंगी। उनके साथ कप्तान शुभमन गिल भी बेहतरीन लय में हैं। पहले वनडे में गिल ने शतक लगाकर टीम को शानदार शुरुआत दिलाई थी।



तेज गेंदबाजी संयोजन सबसे बड़ी चिंता

बल्लेबाजी में भारत के पास विकल्पों की कमी नहीं है, लेकिन तेज गेंदबाजी में टीम का संयोजन अभी पूरी तरह तय नहीं दिख रहा। जसप्रीत बुमराह एशियाई खेलों के लिए जापान में हैं और हार्दिक पंड्या को अभी फिटनेस मंजूरी का इंतजार है। पहले मुकाबले में मोहम्मद सिराज को आराम दिया गया था और नीतीश कुमार रेड्डी को नई गेंद से गेंदबाजी का मौका मिला था। हालांकि रेड्डी का प्रयोग उम्मीद के मुताबिक सफल नहीं रहा। चोट से वापसी के बाद वह लय के लिए संघर्ष करते दिखे और सात गेंदों के ओवर में 18 रन खर्च कर दिए। ऐसे में दूसरे वनडे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या टीम प्रबंधन रेड्डी को एक और मौका देगा या सिराज की वापसी होगी।

आकिब नबी के पदार्पण पर भी नजर

जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी भी टीम संयोजन में विकल्प बन सकते हैं। श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने के बावजूद उन्हें अब तक अंतरराष्ट्रीय पदार्पण का मौका नहीं मिला है। भारत में विविध को देखते हुए ऐसे खिलाड़ियों को तलाश रहा है, जो गेंद और बल्ले दोनों से योगदान दे सकें। पहले वनडे में नमन धीर को इसी सोच के तहत मौका दिया गया था।

वेस्टइंडीज के लिए मुकाबला करो या मरो जैसा

सीरीज में बने रहने के लिए वेस्टइंडीज को दूसरा वनडे हर हाल में जीतना होगा। पहले मैच में उसकी फील्डिंग भी चिंता का विषय रही थी। शुभमन गिल को जीवनदान मिलने के बाद उन्होंने इसका पूरा फायदा उठाया और शतक जड़ दिया। डैरेन सैमी की टीम भारत के खिलाफ लंबे समय से चली आ रही वनडे सीरीज जीत की तलाश को खत्म करना चाहेगी। वेस्टइंडीज ने आखिरी बार 2002 में भारत के खिलाफ वनडे सीरीज जीती थी। ऐसे में दूसरे मुकाबले में एक तरफ विराट कोहली के बल्ले की चमक होगी, तो दूसरी तरफ भारतीय तेज गेंदबाजी का संयोजन सबसे बड़ी चर्चा का विषय रहेगा।

भारत की संभावित टीम: शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, ऋतुराज गायकवाड़, केएल राहुल (उपकप्तान), ध्रुव जुरेल, नीतीश कुमार रेड्डी, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बरार, मोहम्मद सिराज, आकिब नबी, यशस्वी जायसवाल और नमन धीर।

तीन पदक जीतकर भी अधूरा सपना, गुलवीर सिंह बोले-

राष्ट्रगान सुनना था

नई दिल्ली, एजेंसी

एशियन गेम्स 2026 में भारत के गुलवीर सिंह ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए तीन पदक अपने नाम किए, लेकिन इस शानदार उपलब्धि के बावजूद वह पूरी तरह संतुष्ट नहीं हैं। मंगलवार को पुरुष 5000 मीटर में कांस्य पदक जीतने के बाद गुलवीर ने कहा कि उनका सबसे बड़ा सपना पोल्डियम पर खड़े होकर भारत का राष्ट्रगान सुनना था, जो इस बार पूरा नहीं हो सका। गुलवीर ने मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में 5000 मीटर फाइनल में 13:32.75 का समय निकालकर कांस्य पदक जीता। बहरीन के बिरहानु बालेव ने 13:30.79 के समय के साथ स्वर्ण, जबकि जापान के यामागुची तोमोनेरी ने 13:31.43 के साथ रजत पदक जीता।

गुलवीर ने इससे पहले 10,000 मीटर और 1500 मीटर में रजत पदक



अपने नाम किए थे। इस तरह वह एक ही एशियन गेम्स में तीन पदक जीतने वाले पिछले 40 वर्षों में पहले भारतीय एथलीट बन गए। 27 वर्षीय गुलवीर ने कहा, मैं संतुष्ट नहीं हूँ क्योंकि मैं यहां इस सोच के साथ आया था कि मेरा राष्ट्रगान बजेगा। मेरा सपना था कि पोल्डियम पर खड़ा रहूँ और राष्ट्रगान बजे। ऐसा नहीं हो सका। अगली बार और कड़ी मेहनत करके वापस आऊंगा। गुलवीर ने 10,000 मीटर में 28:29.38 के समय के साथ रजत जीता था। वह इस स्पर्धा में दो एशियन गेम्स पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने।

भारत अंडर-19 से हारा ऑस्ट्रेलिया

लक्ष्य का दोहरा शतक और यशवर्धन की घातक गेंदबाजी पारी और 48 रन से मिली जीत

राजकोट, एजेंसी

भारत अंडर-19 ने पहले यूथ टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 को पारी और 48 रन से करारी शिकस्त दी। राजकोट में खेले गए मुकाबले में यशवर्धन चौहान ने छह विकेट और ईशान ओम ने चार विकेट लेकर ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। इससे पहले लक्ष्य रायचंदानी की 240 रन की शानदार पारी ने भारत की जीत की नींव रख दी थी। इस जीत के साथ भारत ने दो मैचों की यूथ टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। इससे पहले भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को यूथ वनडे सीरीज में 3-0 से हराया था।

पहली पारी में भारत ने बनाया विशाल स्कोर

भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए लक्ष्य रायचंदानी के दोहरे शतक की बदौलत 494 रन बनाए। रायचंदानी ने 281 गेंदों पर 240 रन की मैराथन पारी खेली, जिसमें 24 चौके और चार छक्के शामिल रहे। उनके अलावा यशवर्धन चौहान ने 54 और मोहित उलवा ने 92 रन की अहम पारियां खेलीं। चौहान ने रायचंदानी के साथ 124 रन की साझेदारी की, जबकि उलवा ने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों पर आक्रामक अंदाज में प्रहार करते हुए 84 गेंदों पर 92 रन बनाए। उनकी पारी में 10 चौके और चार छक्के शामिल रहे। भारत ने पहली पारी में 277 रन की बड़ी बढ़त हासिल की, जिससे ऑस्ट्रेलिया पर दबाव काफी बढ़ गया।



चौहान और ईशान के सामने ऑस्ट्रेलिया ने टेके घुटने

ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 217 रन पर सिमट गई। यशवर्धन चौहान ने 6 विकेट लेकर भारतीय गेंदबाजी की अगुआई की। उन्होंने ब्लेक कैटल को भी आउट किया, जिन्होंने 123 रन की शानदार पारी खेली। कैटल ने 114 गेंदों पर शतक पूरा किया और अपनी पारी में 16 चौके और चार छक्के लगाए, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से पर्याप्त सहयोग नहीं मिला। ऑस्ट्रेलिया के सात बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके। बाएं हाथ के स्पिनर ईशान ओम ने भी शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट झटक और ऑस्ट्रेलिया के विशेषज्ञ बल्लेबाजों को परेशान किया। ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में 229 रन बनाए और पूरी टीम 59.4 ओवर में ऑलआउट हो गई। यहां भी चौहान ने 6/75 और ईशान ओम ने 4/62 के आंकड़ों के साथ ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को कोई मौका नहीं दिया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से ब्लेक कैटल ने एक बार फिर संघर्ष किया, लेकिन भारतीय गेंदबाजों के सामने बाकी बल्लेबाज टिक नहीं सके। इस तरह भारत ने मुकाबला पारी और 48 रन से अपने नाम कर लिया।

मनोरंजन

बॉलीवुड का कोना

‘बिग बॉस 20’ में सलमान की क्लास से शिल्पा शिंदे हुईं खुश, काजी-माही के समर्थन में उतरीं

रियलिटी शो ‘बिग बॉस 20’ का हालिया ‘वीकेंड का वार’ एपिसोड चर्चा में है। शो के होस्ट सलमान खान ने कंटेस्टेंट्स के व्यवहार और गेम को लेकर खुलकर अपनी बात रखी। इस दौरान रीति तिवारी को भी उनके कथित आपत्तिजनक व्यवहार के लिए फटकार लगाई गई। अब अभिनेत्री शिल्पा शिंदे ने सलमान खान के इस अंदाज की तारीफ करते हुए काजी तौकीर और माही विज का समर्थन किया है।

शिल्पा ने शेयर किया वीडियो

शिल्पा शिंदे ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने ‘वीकेंड का वार’ को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि एपिसोड देखने के बाद उन्हें काफी अच्छा लगा। साथ ही उन्होंने काजी तौकीर और माही विज के



समर्थन में दर्शकों से अपील की। शिल्पा के मुताबिक, काजी और माही शो में अपना वास्तविक व्यक्तित्व दिखाकर गेम खेल रहे हैं। उन्होंने कहा कि रियलिटी शो में कंटेस्टेंट्स को जैसे हैं, वैसे ही नजर आना चाहिए। अभिनेत्री ने दोनों कंटेस्टेंट्स को बुरा न बताते हुए उनके गेम खेलने के तरीके का समर्थन किया।

बाकी कंटेस्टेंट्स पर भी साधा निशाना

अभिनेत्री ने अपनी टिप्पणी में शो के अन्य कंटेस्टेंट्स पर भी प्रतिक्रिया दी। उनका कहना था कि कुछ प्रतिभागी अपना असली चेहरा छिपाकर गेम खेलते हुए नजर आते हैं। वहीं, उन्होंने सलमान खान की तारीफ करते हुए कहा कि ‘वीकेंड का वार’ में उनके रुख से उन्हें काफी संतुष्टि मिली।

रीति तिवारी के व्यवहार पर सलमान की नाराजगी

‘वीकेंड का वार’ में रीति तिवारी को एक टास्क के दौरान कथित तौर पर अभद्र भाषा के इस्तेमाल और काजी तौकीर को धमकी देने को लेकर सलमान खान की नाराजगी का सामना करना पड़ा। ‘डिस’ टास्क के दौरान रीति द्वारा उदिति सिंह और काजी तौकीर के खिलाफ कथित आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किए जाने पर शो में कुछ हिस्सों को म्यूट भी किया गया। सलमान खान ने रीति के कथित व्यवहार पर कड़ी प्रतिक्रिया दी और उन्हें उनके शब्दों तथा आचरण को लेकर फटकार लगाई। उन्होंने रीति को उनके पिता मनोज तिवारी के सार्वजनिक पद और गरिमा का भी ध्यान रखने की बात कही। इस पूरे घटनाक्रम के बाद ‘बिग बॉस 20’ का यह एपिसोड सोशल मीडिया पर भी चर्चा का विषय बना हुआ है।



मेट्रो बाजार

नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) 20 अक्टूबर से लागू होने जा रहा है, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच व्यापार को बढ़ाकर 2030 तक दोगुना करना है। इसके तहत भारतीय निर्यातकों को न्यूजीलैंड के बाजार में सभी टैरिफ लाइनों पर शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी, जिससे भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धात्मकता में उल्लेखनीय सुधार होने की उम्मीद

20 अक्टूबर से लागू होगा भारत-न्यूजीलैंड एफटीए, 2030 तक व्यापार दोगुना करने का लक्ष्य

है। खालसा वॉक्स न्यूज वेबसाइट के एक लेख के अनुसार, इस समझौते का सबसे बड़ा लाभ भारत के वस्त्र और परिधान, चमड़ा एवं फूटवियर, रत्न एवं आभूषण, इंजीनियरिंग सामान और प्रोसेस्ड फूड जैसे क्षेत्रों को मिलेगा। आयात शुल्क हटने से भारतीय उत्पाद न्यूजीलैंड में अन्य देशों के मुकाबले अधिक प्रतिस्पर्धी और किफायती हो जाएंगे, जिससे निर्यातकों के लिए नए अवसर पैदा होंगे। इस समझौते का एक और महत्वपूर्ण पहलू न्यूजीलैंड की ओर से

भारत में अगले 15 वर्षों में 20 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता है। दोनों देशों ने वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का साझा लक्ष्य भी निर्धारित किया है। एफटीए लागू होने के बाद इसके प्रावधान चरणबद्ध तरीके से लागू होंगे। कुछ उत्पादों पर शुल्क तुरंत समाप्त हो जाएगा, जबकि कुछ श्रेणियों में शुल्क कई वर्षों में धीरे-धीरे कम किया जाएगा। कुछ कृषि उत्पादों के लिए कोटा और सुरक्षा उपाय भी बनाए रखे गए हैं।

ओपनएआई ने सुरक्षा चिंताओं के चलते नए मॉडल का लॉन्च रोका

वाशिंगटन। अमेरिकी एआई कंपनी ओपनएआई ने अपने नए एआई मॉडल के लॉन्च को रोक दिया है। आंतरिक परीक्षणों में मॉडल के व्यवहार को लेकर सुरक्षा और ‘अलाइनमेंट’ से जुड़ी चिंताएं सामने आने के बाद यह फैसला लिया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, एस्ट्रा जीपीटी-6.1 एस्ट्रा को चैटजीपीटी और कोडेक्स में शामिल किया जाना था और इसे ऐसे सेटिल काम करने के लिए तैयार किया जा रहा था, जिनमें इसानी हस्तक्षेप अपेक्षाकृत कम हो। लेकिन परीक्षणों के दौरान मॉडल ने कुछ मामलों में अपने पिछले संस्करण की तुलना में ज्यादा भ्रामक व्यवहार दिखाया। ओपनएआई की सुरक्षा प्रमुख साची जैन ने वॉल स्ट्रीट जरनल को बताया कि एस्ट्रा ने कुछ अलाइनमेंट परीक्षणों में कंपनी के तय मानकों को पूरा नहीं किया। खास तौर पर

मॉडल के अपने काम के बारे में सही जानकारी देने और यूजर की अनुमति की सीमा में रहने को लेकर समस्याएं सामने आईं। रॉयटर्स के अनुसार, परीक्षणों में यह भी पाया गया कि एस्ट्रा कभी-कभी यूजर की अनुमति लिए बिना फैसला लिया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, एस्ट्रा जीपीटी-6.1 एस्ट्रा को चैटजीपीटी और कोडेक्स में शामिल किया जाना था और इसे ऐसे सेटिल काम करने के लिए तैयार किया जा रहा था, जिनमें इसानी हस्तक्षेप अपेक्षाकृत कम हो। लेकिन परीक्षणों के दौरान मॉडल ने कुछ मामलों में अपने पिछले संस्करण की तुलना में ज्यादा भ्रामक व्यवहार दिखाया। ओपनएआई की सुरक्षा प्रमुख साची जैन ने वॉल स्ट्रीट जरनल को बताया कि एस्ट्रा ने कुछ अलाइनमेंट परीक्षणों में कंपनी के तय मानकों को पूरा नहीं किया। खास तौर पर



किसी काम को आगे बढ़ाता था। कुछ स्थितियों में उसने बाहरी टूल या सेवाओं का इस्तेमाल करने की कोशिश की, जबकि ऐसा करना असुरक्षित हो सकता था। यह चिंता इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि एजेंटिक एआई मॉडल केवल सवालों के जवाब देने के बजाय कंप्यूटर, सॉफ्टवेयर और बाहरी सेवाओं के साथ कार्रवाई भी कर सकते हैं। यह घटनाक्रम अगस्त में सामने आई उन चिंताओं के बाद आया है, जब ओपनएआई ने एस्ट्री की साइबर सुरक्षा क्षमताओं को लेकर अलग से सुरक्षा उपाय कड़े किए थे।

पेरिस फैशन वीक में छाई ऐश्वर्या, क्राउन और रॉयल लुक ने खींचा सबका ध्यान

बारीक कारीगरी और क्रिस्टल से सजा केप उनके लुक को खास बना रहा था। इस दौरान उन्होंने क्राउन भी पहना, जिसने उनके पूरे लुक को रॉयल टच दिया। उनके बरगंडी-लाल बालों ने भी लुक में आधुनिकता का रंग जोड़ दिया। ऐश्वर्या के इस अंदाज की तस्वीरें और वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर उनके लुक की खूब चर्चा हुई। कई लोगों ने उन्हें ‘रॉयल्टी’ बताते हुए उनकी खूबसूरती और स्टाइल की तारीफ की। एक वीडियो में



ऐश्वर्या और ईवा लोंगोरिया को बैकस्टेज गर्मजोशी से मिलते हुए भी देखा गया। ऐश्वर्या राय का अंतरराष्ट्रीय फैशन और सिनेमा से जुड़ाव नया नहीं है। साल 2002 में उन्होंने कान्स फिल्म फेस्टिवल में फिल्म ‘देवदास’ के प्रीमियर के दौरान शानदार उपस्थिति दर्ज कराई थी। संजय लीला भंसाली और शाहरुख खान के साथ वह पारंपरिक पीली साड़ी में घोड़ा-गाड़ी से पहुंची थीं, जिसकी तस्वीरें आज भी याद की जाती हैं।



शिमला में धूप खिलने के बाद पर्यटल स्थलों पर सैलानियों की भीड़ उमड़ पड़ी। फोटो: एजेंसी

उत्तर बिहार की नदियां उफान पर, 1.59 लाख प्रभावित; मप्र में इसी सप्ताह हो सकती है मानसून की विदाई

बिहार के सारण में गंडक पर बना बांध टूटा 6 जिलों में बाढ़, यूपी की गलियों में नाव चली

पटना/शिमला, एजेंसी

नेपाल में भारी बारिश के बाद गंडक समेत उत्तर बिहार की नदियां उफान पर हैं। 6 जिलों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। इससे 1.59 लाख लोग प्रभावित हैं। बगहा-बेतिया में 4 जगह तटबंध टूटने के बाद बुधवार सुबह सारण में भी बांध टूट गया। निचले इलाकों में तेजी से पानी भर रहा है। राज्य के 17 जिलों में बाढ़ का अलर्ट जारी किया है। उत्तर प्रदेश से मानसून की विदाई शुरू हो गई है। मुजफ्फरनगर और अलीगढ़ समेत पश्चिमी यूपी के कुछ हिस्सों से मानसून लौट चुका है। इसके चलते प्रदेश में बारिश कम हो गई है। उन्नाव में गंगा का जलस्तर बढ़ने से गांवों और मोहल्लों में पानी घुस गया है। गलियों में नावें चल रही हैं। आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू जिले के पडेरू में बारिश के बाद कई इलाकों में घना कोहरा दिखा। तापमान में भी गिरावट आई है। सुबह के समय लोग हेडलाइट जलाकर गाड़ी चलाते देखे गए।

मप्र के 19 जिलों में बारिश का अलर्ट; भोपाल-इंदौर, उज्जैन में धूप खिली

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश से इसी हफ्ते मानसून की विदाई शुरू होगी। यह सबसे पहले उज्जैन और ग्वालियर संभाग के जिलों से लौटेगा। फिर इंदौर, भोपाल, नर्मदापुरम, सागर से वापसी होगी। इससे पहले 3 दिन बूंदबांदी का दौर चलेगा। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी रेखा राजस्थान, पंजाब के कई जिलों से गुजर रही है और एमपी के उत्तर-पश्चिम क्षेत्र में है।

बुधवार को 19 जिलों में बारिश का अलर्ट है। बैतुल, जबलपुर, कटनी, छिंदवाड़ा, सिवनी, बालाघाट, मंडला,

डिंडौरी, पांडुर्णा, रीवा, सतना, सीधी, सिंगरौली, मऊगंज, मैहर, शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, पन्ना में हल्की बूंदबांदी, आंधी और गरज-चमक की स्थिति बन सकती है। वहीं, भोपाल, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, विदिशा, इंदौर, धार, आलीराजपुर, बुरहानपुर, बड़वानी, खंडवा, खरगोन, झाबुआ, उज्जैन, नीमच में धूप खिलेगी। अगर-मालवा, मंदसौर, शाजापुर, देवास, रतलाम, नर्मदापुरम, हरदा, ग्वालियर, गुना, शिवपुरी, दतिया, अशोकनगर, मुरैना, भिंड, श्योपुर, सागर, दमोह, नरसिंहपुर, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी में भी मौसम सामान्य रहेगा।

3 अक्टूबर को छंट जाएंगे बादल

मौसम विभाग के मुताबिक, 1 और 2 अक्टूबर को कुछ ही जिलों में बूंदबांदी होगी। 3 अक्टूबर को पूरे प्रदेश से बारिश के बादल छंट जाएंगे। इसलिए कहीं भी गरज-चमक बारिश होने का अनुमान नहीं है। मध्य प्रदेश के पूर्वी हिस्से-जबलपुर, रीवा, सागर और शहडोल संभाग में बारिश का आकड़ा चार प्रतिशत ज्यादा है। अधिकांश जिलों में कोटे से ज्यादा पानी गिर चुका है लेकिन बालाघाट, छिंदवाड़ा, दमोह, जबलपुर, नरसिंहपुर, पांडुर्णा, रीवा, सागर, सिवनी में 3% से 21% तक कम बारिश हुई है। वहीं, पश्चिमी हिस्से के आलीराजपुर, अशोकनगर, बड़वानी, बैतुल, देवास, धार, हरदा, इंदौर, झाबुआ, खंडवा, मंदसौर, मुरैना, नर्मदापुरम, नीमच, रायसेन, रतलाम, सीहोर, शाजापुर, उज्जैन और विदिशा में औसत से 9% से 51% कम पानी गिरा है। अनूपपुर, छतरपुर, डिंडौरी, कटनी, मैहर, मंडला, मऊगंज, निवाड़ी, पन्ना, सतना, में ही औसत से ज्यादा बारिश दर्ज की गई। प्रदेश में इस बार 100 प्रतिशत बारिश होने की उम्मीद कम है।

विदाई से पहले हिमाचल में कमजोर पड़ा मानसून

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में दक्षिण-पश्चिम मानसून विदाई से पहले कमजोर पड़ गया है। शिमला समेत राज्य के अधिकांश भागों में आज सुबह से ही अच्छी धूप खिली है। मौसम विभाग के अनुसार परिस्थितियां अनुकूल रही तो अगले दो से तीन दिन में प्रदेश से मानसून की विदाई हो सकती है। साल 2025 में मानसून की विदाई 26 सितंबर को हुई थी, जबकि सामान्य तारीख 25 सितंबर थी। राज्य में अगले पांच दिनों तक मौसम पूरी तरह साफ रहेगा। पांच अक्टूबर तक अधिकांश भागों में धूप खिली रहने की उम्मीद है। इससे तापमान में बढ़ोतरी होगी। प्रदेश के कई हिस्सों में तापमान 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक का उछाल आएगा। इससे पहले मंगलवार को भी प्रदेश में मौसम साफ रहा और धूप खिली। इससे राज्य के अधिकांश शहरों के तापमान में भारी उछाल आया है। ऊंचे क्षेत्रों के लोगों ने इससे सुबह-शाम व रात की ठंड से राहत ली है। इससे प्रदेश के औसत अधिकतम तापमान में 5.8 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज की गई। सुंदरनगर में तापमान में सबसे ज्यादा 9 डिग्री का उछाल आया और अधिकतम तापमान 31.9 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया।

न्यूज विडो



समुद्री लुटेरों के हमले में पांच कू सदस्यों की हत्या

मोगादिशू, एजेंसी। सोमालिया के पुंटलैंड के अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि सुरक्षा बलों द्वारा बचाए जाने से पहले सोमाली समुद्री लुटेरों ने अपहृत एमटी ऑनर 25 पेट्रोलियम उत्पाद टैंकर के पांच कू सदस्यों की हत्या कर दी। पुंटलैंड के अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने मंगलवार को एक दूसरे जहाज को भी बचाया, जिसका अपहरण मई में किया गया था। 17 कू मेंबर वाले इस जहाज को अप्रैल में समुद्री लुटेरों ने कब्जे में ले लिया था। यह सोमालिया में समुद्री लूट की घटनाओं के फिर से बढ़ने का समय था। जानकारों का मानना है कि इसकी एक वजह ईरान युद्ध का असर है, जिसमें तेल की बढ़ी हुई कीमतें भी शामिल हैं और इसी वजह से टैंकर लुटेरे इन्हें टारगेट बनाते हैं। पुंटलैंड के सूचना मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि एक रेस्क्यू ऑपरेशन में जहाज को सफलतापूर्वक छुड़ा लिया गया और 16 समुद्री लुटेरों को पकड़ लिया गया।



ठाणे में शिवसेना यूबीटी के नेता की गोली मारकर हत्या

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के ठाणे शहर में मंगलवार रात अज्ञात हमलावरों ने शिवसेना यूबीटी नेता प्रदीप पूर्णेकर पर दो गोलियां चलाईं और उनके साथ मारपीट भी की। गंभीर रूप से घायल पूर्णेकर की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। पार्टी के एक नेता के मृताबिक, पूर्णेकर उड़व ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना में ठाणे विभाग प्रमुख थे। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल से फॉरेंसिक सबूत जुटाए। पुलिस आसपास के इलाकों और मुख्य सड़कों के छद्म फुटेज खंगाल रही है, ताकि हमलावरों और उनके भागने के रास्ते का पता लगाया जा सके।

इंडियन कोस्ट गार्ड ने जब्त की अरब सागर में 3000 करोड़ की ड्रग्स, पांच पाकिस्तानी गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

इंडियन कोस्ट गार्ड ने नशीले पदार्थों की तस्करी की एक बड़ी कोशिश को नाकाम कर दिया है। इस ऑपरेशन में इंडियन कोस्ट गार्ड को गुजरात के एंटी-रेरिज्म स्क्वाड का भी साथ मिला। ये कार्रवाई लक्षद्वीप के पश्चिम में अरब सागर में समुद्री रास्ते पर की गई है। इस ऑपरेशन में लगभग 526 किलोग्राम उच्च गुणवत्ता वाले नशीले पदार्थ हेरोइन और मेथामफेटामाइन जब्त की गई है। साथ ही जवानों ने पांच पाकिस्तानी नागरिकों को भी पकड़ा है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, इंडियन कोस्ट गार्ड के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ने बताया, 'इंडियन कोस्ट गार्ड ने गुजरात के एंटी-रेरिज्म स्क्वाड के साथ मिलकर लक्षद्वीप के पश्चिम में अरब सागर में समुद्री रास्ते से नशीले पदार्थों की तस्करी की एक बड़ी कोशिश को नाकाम कर दिया।' मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ने आगे बताया, 'पकड़ी जानकारी मिलने पर, इंडियन कोस्ट गार्ड ने समुद्र और हवा



से सटीक निगरानी की और 25 सितंबर 2026 को ईरान की एक संदिग्ध नाव का लगातार पीछा करते हुए उसे रोका और फिर उस पर चढ़ाई की।'

इंडियन कोस्ट गार्ड और गुजरात एटीएस ने मिलकर समुद्र में चलाए गए इस ऑपरेशन में करीब 526 किलोग्राम उच्च गुणवत्ता वाले नशीले पदार्थ (हेरोइन और मेथामफेटामाइन) जब्त किए, जिनकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 3,000 करोड़ रुपये से ज्यादा है। यह जब्ती ऐसे समय में हुई है जब सुरक्षा एजेंसियां समुद्री रास्ते से होने वाली

अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी को रोकने के लिए अपनी कोशिशें तेज कर रही हैं।

पांच पाकिस्तानी नागरिक गिरफ्तार: इंडियन कोस्ट गार्ड ने न सिर्फ नशीला पदार्थ जब्त किया, बल्कि नाव चला रहे पांच पाकिस्तानी नागरिकों को भी पकड़ा। पकड़ी गई नाव, उसके चालक दल और जब्त किए गए नशीले पदार्थों को हथियारों से लैस सुरक्षा के बीच मुंबई ले जाया गया है। इस मामले में कई एजेंसियों मिलकर संयुक्त पूछताछ करेगी, जिससे कानूनी कार्रवाई की जा सके।

मेट्रो एंकर

9 जून 2022 को कैंसर से हुई थी 78 वर्षीय व्यक्ति की मौत

पुनर्जन्म में विश्वास के चलते 4 साल फ्रीजर में रखा शव

मुंबई, एजेंसी

मुंबई के मालाड के कुरार विलेज इलाके में एक डे केयर सेंटर के फ्रीजर से 4 साल 3 महीने 20 दिन पुरानी डेड बॉडी मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस के मुताबिक, 78 वर्षीय बुजुर्ग की मौत 9 जून, 2022 को कैंसर से हुई थी। इसके शव को कब्जे पर पहुंची और जांच के दौरान फ्रीजर से शव बरामद किया। कुरार पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस सेंटर संचालक, मृतक के परिजनों, बीएमसी अधिकारियों और आसपास के लोगों के बयान दर्ज कर रही है। शव की स्थिति और संरक्षण की प्रक्रिया को समझने के लिए कूपर अस्पताल के विशेषज्ञ डॉक्टरों से भी सलाह ली जा रही है।



बेटी अमेरिका में, दोबारा जीवित होने की उम्मीद

पुलिस सूत्रों के अनुसार, मृतक का एक बेटा और एक बेटी है। बेटा मुंबई में रहता है, जबकि बेटी अमेरिका में रहती है। दावा है कि बेटी को अपने पिता से बेहद लगाव था और वह पुनर्जन्म के सिद्धांत में विश्वास करती है। इसी विश्वास के चलते उसने अपने भाई के साथ मिलकर पिता के शव को संरक्षित रखने का फैसला किया। बताया जा रहा है कि शव को सेंटर में रखने के लिए हर महीने करीब 1.60 लाख रुपये दिए जाते थे। पुलिस सूत्रों ने बताया कि परिवार ने शव के संबंध में डेथ सर्टिफिकेट और बीएमसी में जमा कराए गए दस्तावेज भी पुलिस को दिखाए हैं। इन दस्तावेजों की जांच की जा रही है।

केरलम के 76 साल के व्यक्ति ने 1988 में बैंक में की थी डकैती 38 साल बाद मिली 13 साल की सजा

कलपेट्टा, एजेंसी। वायनाड के नल्लुरनाड सर्विस कोऑपरेटिव बैंक में 1988 में हुई डकैती में शामिल होने के आरोप में 76 साल के एक व्यक्ति को 13 साल की जेल और 16,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया है। एंड्रशनल डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस कोर्ट के



जज एल. जयवंत ने मंगलवार को कोल्लम के रहने वाले अब्दुल समद को इस मामले में सजा सुनाई। अगर वह जुर्माना नहीं भर पाते हैं तो उन्हें 10 महीने की अतिरिक्त जेल की सजा काटनी होगी। पुलिस के मुताबिक, यह डकैती 8 जनवरी

1988 की सुबह हुई थी और छह लोगों के एक गिरोह ने बैंक में घुसकर वारदात को अंजाम दिया था। ये गिरोह एक कार में आया, ताले तोड़े और बैंक के अंदर घुस गया। लुटेरे एक सेफ, लगभग एक किलोग्राम सोने के गहने और 5,544 रुपये नकद ले गए।

अभियोजन पक्ष के अनुसार, शोर सुनकर बैंक पहुंचे दो लोगों पर क्रोबार (लोहे की रॉड) से हमला किया गया। आरोपियों में से चार सुबैर, सुरेश बाबू, अलीकुट्टी और नसीर को 1993 में गिरफ्तार किया गया था।

अवैध हिरासत के बाद री-अरेस्ट नहीं कर सकते: दिल्ली एचसी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि अवैध हिरासत के आधार पर रिहा किए गए आरोपी को जांच एजेंसी सीधे दोबारा गिरफ्तार नहीं कर सकती। पहले संबंधित अदालत और वरिष्ठ अधिकारी की मंजूरी जरूरी है। जस्टिस नवीन चावला और जस्टिस अरुण भारद्वाज की पीठ ने पाँक्सो मामले में आरोपी की दोबारा गिरफ्तारी को गैर-कानूनी ठहराते हुए तत्काल रिहाई का आदेश दिया।